



मध्यप्रदेश राजपत्र

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 37]

भोपाल, शुक्रवार, दिनांक 12 सितम्बर 2014-भाद्र 21, शके 1936

भाग 3 (1)

विज्ञापन

न्यायालयों की सूचनाएं

IN THE HIGH COURT OF MADHYA PRADESH JUDICATURE

AT JABALPUR BENCH AT INDORE

(Original Company Jurisdiction)

Comp. Petition No. 21 of 2014

And in the matter of Section 391 to 394 of the said Act;

And in the matter of

Scheme of Arrangement and Demerger between

M/s. Bharat Pictures Private Limited, Transferor Company and

M/s. Bharat Devcon Private Limited, Resultant Company

NOTICE OF PETITION

[under Rule 80 of the Companies (Court) Rules, 1959]

A Petition under Section 391 to 394 of the Companies Act, 1956 for sanction of scheme of Arrangement/ Demerger of M/s. Bharat Pictures Private Limited, Transferor Company and M/s. Bharat Devcon Private Limited, Resultant Company was listed before the Company Judge, Madhya Pradesh High Court on 1st August, 2014 and now the said petition is fixed for hearing before the Company Judge on 18th September, 2014. Any person desirous of supporting or opposing the said petition should send to the petitioner's advocate, a notice of his intention, signed by him or his advocate, with his name and address, so as to reach the petitioner's advocate not later than two days before the date fixed for the hearing of the petition. Where he seeks to oppose the petition, the grounds of opposition or a copy of his affidavit shall be furnished with such notice. A copy of the petition will be furnished by the undersigned to any person requiring the same on payment of the prescribed charges for the same.

Indore Date: 14/08/2014

Lucky Jain, Advocate

M. Munshi & Associates

Advocates & Solicitors,
304-306, Navneet Plaza, 5/2,
Old Palasia, Indore - 452018.

(306-B.)

**IN THE HIGH COURT OF MADHYA PRADESH JUDICATURE
AT JABALPUR BENCH AT INDORE
(Original Company Jurisdiction)**

Comp. Petition No. 22 of 2014

[Connected with Company Application (Petition) No. 7 of 2014]

In the matter of Sections 391 to 394 of the
Companies Act, 1956;
AND

In the matter of the Scheme of Arrangement
between MAHLE IPL Limited and MAHLE
Engine Components India Private Limited;

In the matter of :

MAHLE Engine Components India Private Limited a Company
incorporated under the Companies Act 1956 and having its
Registered Office at Plot no.9, 10, 11, Sector 3, Industrial Area,
Kheda - Pithampur, Dhar District, Madhya Pradesh.

PETITIONER/TRANSFeree COMPANY

NOTICE OF PETITION

TAKE NOTICE that a petition under Sections 391(2) to 394 of the Companies Act, 1956 for seeking sanction of this Hon'ble High Court to the Scheme of Amalgamation between MAHLE IPL Limited ('Transferor Company') and MAHLE Engine Components India Private Limited ('Transferee Company/Petitioner Company') was presented by the Petitioner Company on August 08, 2014 and heard on August 12, 2014 and the said Petition is now fixed for hearing before the Hon'ble Company Judge on the September 22, 2014 at 10.30 A.M. Any person desirous of supporting or opposing the Petition should send a notice of his/her intention, signed by him/her or by his/her advocate with his/her name and address to the Advocate of the Petitioner Company so as to reach the Petitioner Company's Advocate not less than 5 (five) days before the date fixed for hearing of the Petition. Where he/she seeks to oppose the Petition, the ground of opposition and a copy of his/her affidavit should be furnished with such notice. A copy of Petition will be furnished by the under mentioned to any person requiring the same upon payment of the prescribed charges for the same.

Date: 22-08-2014

Sd/-

Ms. SWATI MEHTA,

Advocate for the Petitioner Company
102, Aman Anand 15/2, Snehlataganj-452003,
Indore (M.P.).

(307-B.)

**IN THE HIGH COURT OF MADHYA PRADESH JUDICATURE
AT JABALPUR BENCH AT INDORE
(Original Company Jurisdiction)
Comp. Petition No. 15 of 2014**

IN THE MATTER OF THE COMPANIES ACT, 1956;

And in the matter of Section 391 to 394 read with section 94 of the said Act;

And in the matter of

Scheme of Arrangements and Compromise with the Shareholders of the company due to closure of Stock Exchange (OTC Exchange of India) on which shares of the company are listed and traded to provide an easy exit and liquidity.

DEWAS METAL SECTIONS LIMITED

Registered Office at Village - Amona,
A.B. Road, Industrial Area, Dewas-455001

Company

.. Applicant

NOTICE CONVENING MEETING OF SHAREHOLDERS

NOTICE IS HEREBY GIVEN that by an order passed on 16th June, 2014 in the above company

petition and order dated 19th August, 2014 in Review Petition No. 208/2014 the Hon'ble High Court of Madhya Pradesh, Bench at Indore has directed that meeting of shareholders of M/s. Dewas Metal Sections Limited be convened and held for the purpose of considering and if though fit, approving with or without modifications, the schemes of arrangement & compromise proposed to be made between the shareholders of the company.

In pursuance of the orders of the Hon'ble Court and as directed therein further notice is hereby given that meeting of shareholders of the company shall be held at its registered offices at Village - Amona, A.B. Road, Industrial Area, Dewas (MP) on Saturday, the 27th September, 2014 at 12.30 pm.

Copies of the said scheme of arrangement & compromise and the statement under section 393 of the Companies Act, 1956 and the form of proxy can be obtained free of Charge at the Registered office of the Company or at the office of their advocate **M/s. M. Munshi & Associates, 304 Navneet Plaza, 5/2 Old Palasia, Indore 452018** between 11 a.m. to 5 p.m. on any working day.

Person entitled to vote at the said meeting may vote in person or by proxy provided a proxy in prescribed form, duly signed are deposited at the respective registered office of the company as stated above not later than 48 hours before the commencement of meeting.

That the Hon'ble High Court has appointed Shri Vivek Patwa, Advocate to be the Chairman and failing him Shri Vinay Gandhi, Advocate to be the Alternate Chairman of the meeting of the company. The above-mentioned scheme of arrangement & compromise, if approved by the aforesaid meeting shall be subject to the subsequent approval of the Court.

Dated : 19/08/2014
(308-B.)

Vivek Patwa,
Chairman Applicant Company.

अन्य सूचनाएं

नाम परिवर्तन

यह कि मेरा नाम मेरे शैक्षणिक प्रमाण-पत्र एवं अन्य दस्तावेजों में सिद्धार्थ कुमार पुत्र श्री नरेन्द्र कुमार लिखा है, जिसे अब सिद्धार्थ कुमार शर्मा पुत्र श्री नरेन्द्र कुमार शर्मा लिखा-पढ़ा एवं मान्य किया जावे तथा भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जावे।

पुराना नाम :

(सिद्धार्थ कुमार)

पुत्र-श्री नरेन्द्र कुमार

नया नाम :

(सिद्धार्थ कुमार शर्मा)

पुत्र-श्री नरेन्द्र कुमार शर्मा,

321, शक्ति नगर, गुप्तेश्वर,

जबलपुर (म. प्र.).

(309-बी.)

नाम परिवर्तन

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम नईम अहमद आत्मज स्व. शेख इस्माईल तथा मेरे शैक्षणिक दस्तावेज में यही नाम दर्ज है. मैंने अपना नाम परिवर्तित कर नईम अहमद के स्थान पर नईम खान आत्मज स्व. शेख इस्माईल कर लिया है तथा मैं, इसी नाम से जाना, पहचाना जाता हूँ तथा पुकारा जाता हूँ. मेरे समस्त शासकीय दस्तावेज पेनकार्ड, परिचय-पत्र, आधार कार्ड आदि में यही नाम दर्ज है तथा मुझे इसी नाम से जाना, पहचाना एवं पुकारा जावे।

पुराना नाम :

(नईम अहमद)

नया नाम :

(नईम खान)

(243-बी.)

आत्मज स्व. शेख इस्माईल,
निवासी-लक्ष्मीनारायण लोधराज
स्कूल के पास, मिहानी नेटवर्क गली,
वार्ड नं. 17, आसफाबाद,
इटारसी, जिला होशंगाबाद (म. प्र.).

नाम परिवर्तन

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं, पिन्डलाल बरनवाल, निवासी-डी-1/1, एन. सी. ए., नर्मदा कॉलोनी, स्कीम नम्बर 78, विजय नगर, इन्दौर (म.प्र.) अपना नाम परिवर्तन करना चाहता हूँ। इस जाहिर सूचना के प्रकाशन द्वारा सूचित करता हूँ कि भविष्य में समस्त उद्देश्यों के लिए मुझे अपने परिवर्तित नाम प्रत्युष बरनवाल के नाम से जाना एवं पहचाना जावेगा।

पुराना नाम :

(पिन्डलाल बरनवाल)

(310-बी.)

नया नाम :

(प्रत्युष बरनवाल)

निवासी—डी-1/1, एन. सी. ए.,
नर्मदा कॉलोनी, स्कीम नम्बर 78,
विजय नगर, इन्दौर (म.प्र.).

उप-नाम परिवर्तन

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व में मैं, राजकुमार जिंदल के नाम से पहचाना जाता था और इसी नाम से हस्ताक्षर करता था। अब मैंने अपना नाम बदलकर राजकुमार अग्रवाल रख लिया है। अब वर्तमान में मैं, इसी नाम से जाना-पहचाना जाता हूँ और इसी नाम से हस्ताक्षर करता हूँ।

पुराना नाम :

(राजकुमार जिंदल)

(313-बी.)

नया नाम :

(राजकुमार अग्रवाल)

निवासी—B-6, ऐलीजिमेंट फ्लोर के पास,
ग्वालियर ग्लोरी स्कूल, हरीशंकरपुरम,
ग्वालियर (म.प्र.).

जाहिर सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि भागीदारी फर्म मे. सुपर टाईल्स इण्डस्ट्रीज का विघटन (समाप्त) दिनांक 01 अप्रैल, 2014 से हो गया है।

जिसमें से निम्नलिखित दो भागीदार फर्म से अलग हो रहे हैं, फर्म में कुल तीन भागीदार थे:-

- श्री रफीक मोहम्मद पिता गुलमोहम्मद.
- श्री शफिक मोहम्मद पिता गुलमोहम्मद.

1 अप्रैल, 2014 से श्रीमती जबीन बेगम पति रफीक मोहम्मद एकल स्वामित्व (प्रोप्रायटरशिप) में व्यवसाय संचालित करती रहूंगी। जो सनद रहे।

वास्ते:- मे. सुपर टाईल्स इण्डस्ट्रीज,
जबीन बेगम
(प्रोप्रायटर).

(311-बी.)

जाहिर सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि मे. श्री कृष्ण कर्मशियल कंपनी, बहादुरपुर रोड, बुरहानपुर भागीदारी फर्म में निम्नलिखित परिवर्तन हुआ है।

फर्म में सम्मिलित होने वाले भागीदार:- दिनांक 11 जुलाई, 2014 से

- आनंद माहेश्वरी पिता श्री लखनलाल माहेश्वरी फर्म में भागीदार के रूप में सम्मिलित हुए हैं।

दिनांक 11 जुलाई, 2014 से मे. श्री कृष्ण कर्मशियल कंपनी फर्म में निम्न भागीदार हैं।

- नरेन्द्रकुमार अग्रवाल पिता श्री छगनलाल अग्रवाल.
- श्रीमती आभादेवी अग्रवाल पति श्री नरेन्द्रकुमार अग्रवाल.
- आनंद माहेश्वरी पिता श्री लखनलाल माहेश्वरी.

वास्ते:- मे. श्री कृष्ण कर्मशियल कंपनी,
नरेन्द्रकुमार अग्रवाल
(भागीदार).

(312-बी.)

जाहिर सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं गुरु कृपा बिल्डर्स एण्ड डिलपर्स एक पार्टनरशिप फर्म है। इस फर्म के प्रथम परिवर्तन विलेख दिनांक 18 अक्टूबर, 2012 के अनुसार श्री मनीष गुप्ता पुत्र स्व. श्री रमेश चन्द्र गुप्ता उक्त फर्म में बतौर पार्टनर 15 प्रतिशत हिस्सा लेकर सम्मिलित हुए तथा श्री नरेश मित्तल पुत्र श्री रमेश चन्द्र मित्तल जी एवं जगदीश सांकला पुत्र श्री राधा किशन सांकला जी जो इस फर्म के 15-15 प्रतिशत के पार्टनर थे, फर्म से रिटायर हो गए, द्वितीय परिवर्तन विलेख दिनांक 12 जून, 2013 के अनुसार श्री तारा चन्द गर्ग पुत्र श्री करोरी लाल गर्ग जो इस फर्म में 15 प्रतिशत के पार्टनर थे, फर्म से रिटायर हो गये हैं एवं तृतीय परिवर्तन विलेख दिनांक 24 जून, 2014 के अनुसार श्री शशी भूषन सिंहल पुत्र स्व. श्री डी. एस. सिंहल उक्त फर्म में बतौर पार्टनर 15 प्रतिशत हिस्सा लेकर एवं सुनील कुमार सोनी पुत्र श्री हीरा लाल सोनी उक्त फर्म में बतौर पार्टनर 5 प्रतिशत हिस्सा लेकर सम्मिलित हुए हैं तथा श्री मनीष गुप्ता पुत्र स्व. श्री रमेश चन्द्र गुप्ता जो उक्त फर्म में 15 प्रतिशत के पार्टनर थे फर्म से रिटायर हो गये हैं। उक्त सम्बन्ध में समस्त आमखास को सूचित किया जाता है कि उक्त विषय में कोई भी व्यक्ति, संस्था, निकाय, बैंक अथवा अन्य कोई भी किसी प्रकार का हित रखता है। तो इस विज्ञप्ति के प्रकाशन के 7 दिवस के अन्दर मुझ सूचनादाता को मय सुसंगत दस्तावेजों के अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। अन्यथा समय अवधि समाप्त होने के पश्चात् मेरे पक्षकार का कोई भी उत्तरदायित्व नहीं होगा तथा आपत्ति प्रभावहीन मानी जावेगी।

द्वारा अभिभाषक,
मनमोहन शर्मा,
एडवोकेट।

(314-बी.)

PUBLIC NOTICE

KNOW ALL MEN that M/S Progressive India is Partnership Firm and registered under the Firms and Societies Act and its place of business at 6, Vishwanath Mandir Parisar, Shivaji Nagar Bhopal. The partners of firm were carrying the business of civil supply, petrol pump. One of them partner no. 2 has been retired with her shares and at present only two partner namely Dr. M. S. Chauhan and Abhimanyu Singh are carrying their business under the name and style of M/S Progressive India Bhopal in terms of partnership deed dated 24/07/14. Now a retired partner will not liable to any acts or deals with the firm.

S. PRASAD,

Advocate,

125, Laxmi Plaza, Zone II,
M.P. Nagar, Bhopal (M.P.).

(292-B.)

आम सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि मेसर्स ऋषभ एण्ड कम्पनी पार्टनरशिप फर्म के रूप में (पंजीयन क्रमांक 03/27/03/00259/14) स. पंजीयक कार्यालय फर्म एवं संस्थाएं, इन्दौर में पंजीकृत है। दिनांक 30 मार्च, 2012 को श्रीमती निधि रारा पति श्री राजीव जैन, निवासी 100, शीतलामाता बाजार, इन्दौर, श्रीमती प्रभावती जैन पति श्री मुलायम चंद जैन, निवासी 215-ए, टेलीफोन नगर, इन्दौर, श्री मुलायम चंद जैन पिता श्री दयाचंद जैन, निवासी 215-ए, टेलीफोन नगर, इन्दौर एवं श्री विकास जैन सतभैया पिता श्री मुलायम चंद जैन, 23, जॉय अपार्टमेंट, इन्दौर ने भागीदार के रूप में फर्म में प्रवेश किया है एवं श्री राजेश मेहता फर्म से पृथक हुए हैं साथ ही फर्म का मुख्य कार्यालय A4, Pu4, स्कीम नम्बर 54, इन्दौर पर परिवर्तित किया है एवं दिनांक 31 मार्च, 2013 को श्री शैलेष वर्मा पिता श्री आर. एस. वर्मा, निवासी 40, कृषि विहार, तिलक नगर, इन्दौर फर्म से पृथक हुए हैं। इंडियन पार्टनरशिप एक्ट, 1932 अंतर्गत पालनार्थ सर्व सूचना है।

For Rishabh & Co.,
विकास जैन सतभैया,
पिता श्री मुलायम चंद जैन,
(पार्टनर)।

(315-बी.)

आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि मेसर्स वेगा इंफ्रा प्रोजेक्ट्स, इन्दौर पार्टनरशिप फर्म के रूप में (पंजीयन क्रमांक 03/27/03/00112/13) स. पंजीयक कार्यालय फर्म एवं संस्थाएं, इन्दौर में पंजीकृत है। दिनांक 15 जुलाई, 2014 को श्री राम संजीवन पाल पिता श्री रामनारायण पाल, निवासी 179, सुन्दर नगर एक्सटेंशन, जिला इन्दौर ने भागीदार के रूप में फर्म में प्रवेश किया है एवं दिनांक 17 जुलाई, 2014 को श्री विक्रम शुक्ला पिता श्री दिनेश शुक्ला, निवासी-25, डॉक्टर अम्बेडकर नगर, जिला इन्दौर फर्म से पृथक हुए हैं। इंडियन पार्टनरशिप एक्ट, 1932 अंतर्गत पालनार्थ सर्व सूचना है।

For Vega Infra Project Indore,
प्रियंक पाल,
पिता श्री राम संजीवन पाल
(पार्टनर)।

(316-बी.)

उद्घोषणा

इण्डन पार्टनरशिप एक्ट, 1932 की धारा-63 (1) के तहत् सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है, कि पार्टनरशिप फर्म मे. श्रीराम कन्स्ट्रक्शन बिजुरी, तहसील कोतमा, जिला अनूपपुर (म.प्र.) के भागीदारों में निम्नानुसार परिवर्तन हुये हैं:-

भाग (1)

- (क) श्रीमती गायत्री देवी खेडिया, दिनांक 22 अक्टूबर, 1987 को पृथक हुये.
- (ख) श्रीमती शुशीलादेवी खेडिया, दिनांक 22 अक्टूबर, 1987 को पृथक हुये. (फौत).
- (ग) श्रीमती बनारासी देवी खेडिया, खेडिया, दिनांक 22 अक्टूबर, 1987 को पृथक हुये. (फौत).
- (घ) श्री आनंद कुमार खेडिया, खेडिया, दिनांक 22 अक्टूबर, 1987 को शामिल हुये.
- (ङ) श्री मुरलीधर खेडिया, खेडिया, दिनांक 22 अक्टूबर, 1987 को शामिल हुये.

भाग (2)

- (क) श्री रामलाल खेडिया, खेडिया, दिनांक 01 अप्रैल, 1989 को पृथक हुये.
- (ख) श्री विजय कुमार खेडिया, खेडिया, दिनांक 01 अप्रैल, 1989 को पृथक हुये.
- (ग) श्री बालमुकुन्द खेडिया, खेडिया, दिनांक 01 अप्रैल, 1989 को शामिल हुये.
- (घ) श्री ब्यंकटेश्वर (ब्यंकट), खेडिया, दिनांक 01 अप्रैल, 1989 को शामिल हुये.

अतः पार्टनरशिप डीड दिनांक 11 सितम्बर, 1977 एवं 20 जून, 2011 के अनुसार फर्म से पृथक एवं शामिल हुये भागीदारों की सूचना स्थानीय दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित कराया गया है. जिसकी सत्य प्रतिलिपि संलग्न है. वर्तमान में कम्पनी के भागीदार (1) आनंद कुमार खेडिया, (2) मुरलीधर खेडिया, (3) बालमुकुन्द खेडिया, (4) ब्यंकटेश्वर खेडिया आत्मज स्व. श्री राधेश्याम खेडिया, निवासी खेडिया भवन, पो-बिजुरी, तहसील कोतमा, जिला अनूपपुर (म.प्र.) मौजूद हैं.

यह उद्घोषणा सर्व-साधारण सूचना एवं सम्यक् कार्यवाही हेतु प्रकाशित है.

भवदीय,

Shree Ram Construction Company,

ब्यंकटेश्वर खेडिया,

(पार्टनर).

(317-बी.)

आम सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि फर्म मैसर्स आदित्य सीमेन्ट इण्डस्ट्रीज, गुना स्थित 17, भारतीय स्टेट बैंक के सामने, ए. बी. रोड, गुना में दिनांक 13 अगस्त, 2014 से भागीदार श्री संदीप अग्रवाल पुत्र श्री राधेश्याम जी अग्रवाल, निवासी सोनी कॉलोनी, गुना एवं श्रीमती दीपती भन्डारी पत्नी श्री संदीप अग्रवाल, निवासी सोनी कॉलोनी, गुना अपनी स्वेच्छा से फर्म से पृथक हो गये हैं एवं इसी दिनांक 13 अगस्त, 2014 से श्री तदिन्द्र सिंह पुत्र श्री सुरेन्द्र सिंह, निवासी गुरुनानक कॉलोनी, गुना फर्म में सम्मिलित हो गये हैं. आमजन एवं सर्वजन सूचित हों.

सुमित गोयल,

फर्म-आदित्य सीमेन्ट इण्डस्ट्रीज,

भारतीय स्टेट बैंक के सामने, ए. बी. रोड,

गुना (म.प्र.).

द्वारा—पंकज वैश्य, (सी. ए.),

माथुर कॉलोनी, गुना (म.प्र.).

(318-बी.)

विविध

निविदा सूचनाएं

भोपाल, दिनांक 30 अगस्त, 2014

अल्प-अवधि निविदा सूचना

(प्रिंटिंग मटेरियल)

क्र. जी.बी.चार/प्रिंटिंग (1) 2014-15/2577.—ऑनलाइन बिडिंग <https://mpeprocurement.com> पर ई-टेंडर से तकनीकी एवं कॉमर्शियल निविदा 16 सितम्बर, 2014 अपराह्न 2.00 बजे तक की-डेट्स निर्माता या उनके अधिकृत एजेंट/डीलर या डिस्ट्रीब्यूटर्स से प्रिंटिंग एवं अन्य सामग्री का क्रय शासकीय मुद्रणालय, भोपाल, ग्वालियर, इन्दौर एवं रीवा के लिये आमंत्रित की जाती है.

2. टेण्डर फार्म, शर्तें एवं निविदा के अनुबंध का प्रारूप वेबसाइट www.govtprocurement.com पर भी रखा गया है।
3. समस्त पूर्तियों के उपरांत ई-निविदा की हार्ड कापी एवं नमूने सूची सहित अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में की-डेट्स अनुसार जमा कराना होगा। ऑन-लाइन निविदा एवं हार्ड कापी दिनांक 16 सितम्बर, 2014 अपराह्न 4.00 की-डेट अनुसार अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में स्वेच्छा से उपस्थित निविदाकारों/उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जावेगी।
4. सूचना/संशोधन/सुधार की स्थिति में जानकारी केवल वेबसाइट [https://mpeprocurement.com](http://mpeprocurement.com) पर उपलब्ध रहेगी।

(742)

Bhopal, Dated 30 August, 2014

SHORT TENDER NOTICE**(Printing Materials)**

No. GB-IV-Printing(1) 2014-15/2577.—*ONLINE Bidding go through MPLUN Portal [https://mpeprocurement.com](http://mpeprocurement.com) and Sealed Technical & Commercial E-Tenders are invited on or before 2.00 P.M. on 16th September, 2014 as per Key-Dates from the manufacturers or their Agents/Authorized Dealers for the supply of various types of printing materials for the Govt. Printing Press, Bhopal, Gwalior, Indore and Rewa.*

2. Tender Document and agreement details of tender are available at website www.govtprocurement.com

3. In all respects Hard Copy of the E-Tender document and sample of the items with list (sealed) must be received at the office of the undersigned as per key dates. Envelope 'A' Hard Copy of Technical Tender will be opened ONLINE on or before 4.00 PM on 16th September, 2014 and as per key dates in the Office of the undersigned in the presence of such tenderers or their authorised representatives as may be present.

4. All corrigendum/amendments/changes; if any will only be issued and made available only on [https://mpeprocurement.com](http://mpeprocurement.com)

RENU TIWARI,

Controller,

Govt. Printing and Stationery,
Madhya Pradesh, Bhopal.

(742-A)

न्यायालयों की सूचनाएं

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी एवं रजिस्ट्रार, पब्लिक ट्रस्ट, राजधानी परियोजना, टी. टी. नगर वृत्त, भोपाल

प्रारूप-4

[नियम-5 (1) देखिये]

[मध्यप्रदेश लोक न्यास अधिनियम, 1951 की धारा-5 (2) एवं मध्यप्रदेश लोक न्यास नियम, 1962 के नियम-5 (1) के अन्तर्गत]

जैसा कि “माधव पुष्प लोक सेवा प्रतिष्ठान भोपाल” द्वारा श्रीमती नीलम सोलंकी आ. श्री मोहन सोलंकी, एम. एफ.-23, ब्लाक-सी, मानसरोवर काम्पलेक्स, 7 नं. बस स्टाप के पास, भोपाल ने मध्यप्रदेश लोक न्यास अधिनियम, 1951 की धारा-4 एवं मध्यप्रदेश लोक न्यास नियम-1962 के नियम-2 के तहत एक आवेदन-पत्र अनुसूची में विनिर्दिष्ट सम्पत्ति के लिए लोक न्यास के रूप में पंजीकृत किए जाने हेतु निवेदन किया गया है।

एतद्वारा सूचित किया जाता है कि उक्त आवेदन-पत्र पर मेरे न्यायालय में दिनांक 25 सितम्बर, 2014 को विचार किया जाएगा। कोई भी व्यक्ति जो उक्त ट्रस्ट या सम्पत्ति में हित रखते हों और कोई आपत्ति या सुझाव देना चाहते हों, वे इस सूचना के प्रकाशन के एक माह के अन्दर अपनी आपत्ति अथवा सुझाव दो प्रतियों में मेरे समक्ष स्वयं अथवा यथास्थिति विधिक् प्रतिनिधि के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकता है। उपरोक्त अवधि के व्यतीत होने के उपरान्त प्राप्त आपत्तियों को विचार में नहीं लिया जाएगा।

अनुसूची

1. ट्रस्ट का नाम	..	“माधव पुष्प लोक सेवा प्रतिष्ठान भोपाल”
2. अचल सम्पत्ति	..	निरंक.
3. चल सम्पत्ति	..	500/-

जी. एस. धुर्वे,

अनुविभागीय अधिकारी एवं रजिस्ट्रार।

(736)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी एवं पंजीयक लोक न्यास अनुविभाग, मुरैना

मुरैना, दिनांक 08 अगस्त, 2014

प्र.क्र. 05/13-14/बी-113/243.

बनाम-आम जनता.

जर्ये उद्घोषण द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमती स्नेहा घोसे पति श्री पद्मनाभ, निवासी-28, स्वामी स्वरूपानन्द हाउसिंग सोसाईटी, नरेन्द्रनगर, नागपुर के द्वारा मध्यप्रदेश लोक न्यास पंजीयन 1951 की धारा-04 के अन्तर्गत “ PERSONA TRUST ” के गठन किये जाने के सम्बन्ध में आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया गया है. जिसका विवरण निम्नानुसार है:-

1. न्यास का पूरा नाम .. PERSONA
2. न्यास कार्यालय का .. 28, स्वामी स्वरूपानन्द हाउसिंग सोसाईटी, नरेन्द्रनगर, नागपुर.
स्थाई पता.

लोक न्यास का उद्गम प्रकृति और उद्देश्य.—WHEREAS the Authors of the Trust desire to irrevocably endowing the said funds upon trust for public welfare at SHANI MANDIR, CHAMBAL SANCTURY and the globe , HISTORY ARCHIOLOGY , information, technological, public administration, educational, communication, cooperatives, Liasoning, public aid, rehabilitation, art and skill development, financial literacy and cultural purposes, as hereinafter expressed and contained in this presents and in pursuance of such desire have already transferred paid and handed over the said property to the trustees mentioned below.

WHEREAS the Authors of the Trust desire to irrevocably endowing public benefit, advancement of public administration in various fields such as health, IT, Physical education public IEC. ENCOURAGE .FACILITATE .PROMOTE GRANT SCHOLARSHIP, aid IN SPORTS, EDUCATION AND ENTEPRENARSHIP .PERSONALITY DEVELOPMENT , promotion , development of co- operatives for arts and vocational skill development, and facilitation of trade for arts , crafts, technology, education and human resource management. ARTS AND HANDICRAFTS, SPORTS, NATIONAL INTEGRATION , PUBLIC WELFARE AND REHABILITATION, PSYCHOLOGICAL COUNSELLING Legal aid, woman child welfare, social justice, land records land disputes, information, educational, communication, public benefit, land records, land disputes, software systems related to maintaining land building records and related services, understand best practices used in developed countries, research and development as hereinafter expressed and contained in this presents and in pursuance of such desire have already transferred paid ad handed over said property to the trustees mentioned below.

3. न्यास की चल/अचल सम्पत्ति .. 2000.00 रुपये.
का विवरण.
4. न्यास की आय का स्रोत .. न्यासी एवं अन्य व्यक्तियों द्वारा दान में दी गई राशि.

उक्त ट्रस्ट के पंजीयन के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति को किसी प्रकार की आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 45 दिवस के अंदर इस न्यायालय में प्रस्तुत करें. अवधि समाप्ति के पश्चात् किसी भी प्रकार की आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा.

आज दिनांक 08 अगस्त, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया.

(737)

मुरैना, दिनांक 08 अगस्त, 2014

प्र.क्र. 06/13-14/बी-113.

बनाम-आम जनता.

जर्ये उद्घोषण द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक Girish Shrikant Lad Add- A2, 401, Dhavalgiri Apartment, Snehparadise Society, Paud Road, Oppo. MIT College, Kothrud Pune, 411038 के द्वारा मध्यप्रदेश लोक न्यास पंजीयन 1951 की धारा-04 के अन्तर्गत “ Magnum Opus Trust ” के गठन किये जाने के सम्बन्ध में आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया गया है. जिसका विवरण निम्नानुसार है:-

1. न्यास का पूरा नाम .. “ Magnum Opus Trust ”
2. न्यास कार्यालय का .. Add- A2, 401, Dhavalgiri Apartment, Snehparadise Society, Paud Road, Oppo. MIT College, Kothrud Pune, 411038.
स्थाई पता.

लोक न्यास का उद्गम प्रकृति और उद्देश्य।—WHEREAS the Authors of the Trust desire to irrevocably endowing the said funds upon trust for public welfare at SHANI MANDIR, CHAMBAL SANCTURY and the globe , HISTORY ARCHIOLOGY , information, technological ,public administration,educational, communication, cooperatives, Liasoning, public aid, rehabilitation, art and skill development, financial literacy and cultural purposes, as hereinafter expressed and contained in this presents and in pursuance of such desire have already transferred paid and handed over the said property to the trustees mentioned below.

WHEREAS the Authors of the Trust desire to irrevocably endowing public benefit, advancement of public administration in various fields such as health, IT, Physical education public IEC. ENCOURAGE .FACILITATE, PROMOTE GRANT SCHOLARSHIP, aid IN SPORTS, EDUCATION AND ENTREPENARSHIP .PERSONALITY DEVELOPMENT , promotion , development of co- operatives for arts and vocational skill development, and facilitation of trade for arts , crafts, technology, education and human resource management. ARTS AND HANDICRAFTS, SPORTS, NATIONAL INTEGRATION , PUBLIC WELFARE AND REHABILITATION, PSYCHOLOGICAL COUNSELLING, Legal aid, woman child welfare, social justice, land records land disputes, information, educational, communication, public benefit, land records, land disputes, software systems related to maintaining land building records and related services, understand best practices used in developed countries, research and development as hereinafter expressed and contained in this presents and in pursuance of such desire have already transferred paid ad handed over said property to the trustees mentioned below.

3. न्यास की चल/अचल सम्पत्ति .. 2000.00 रुपये

का विवरण।

4. न्यास की आय का स्रोत .. न्यासी एवं अन्य व्यक्तियों द्वारा दान में दी गई राशि।

उक्त ट्रस्ट के पंजीयन के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति को किसी प्रकार की आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 45 दिवस के अन्दर इस न्यायालय में प्रस्तुत करें। अवधि समाप्ति के पश्चात् किसी भी प्रकार की आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 08 अगस्त, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

अशोक कम्टान,

अनुविभागीय अधिकारी एवं पंजीयक।

(737-A)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी एवं पंजीयक लोकन्यास, तहसील हातोद, जिला इंदौर
(फॉर्म-चार)

[मध्यप्रदेश पब्लिक ट्रस्ट एक्ट, 1951 (तीस) (95) की धारा-5 (2) व मध्यप्रदेश ट्रस्ट नियम, 1963 नियम 5 (1) के अन्तर्गत]

“ गायत्री परिवार ट्रस्ट” मंगल मार्ग गांधीनगर इंदौर की ओर से आवेदकगण, ट्रस्टीगण अंतिम दुबे पिता स्व. गौरीशंकर दुबे, निवासी 19, परसराम मार्ग गांधीनगर इंदौर, प्रभाकर शर्मा पिता स्व. माधवप्रसाद शर्मा, निवासी परसराम मार्ग, गांधीनगर इंदौर, घनश्याम शर्मा पिता स्व. बंशीलाल शर्मा, निवासी मंगल मार्ग, गांधीनगर, इंदौर व अन्य द्वारा उपरोक्त नाम से न्यासधारी के न्यासधारीगण मध्यप्रदेश लोक न्यास अधिनियम की धारा-4 के अधीन उपरोक्त लोक न्यास के पंजीयन के लिये एक आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि कोई भी व्यक्ति उक्त ट्रस्ट एवं उसकी सम्पत्ति जिसका विवरण नीचे परिशिष्ट में दिया गया है, के सम्बन्ध में आपत्ति अथवा दावा पेश करना चाहे तो वह नोटिस के राजपत्र में प्रकाशन की दिनांक से एक माह अर्थात् (30 दिवस) के अंदर इस न्यायालय में न्यायालयीन दिवस एवं समय में स्वयं या अभिभाषक अथवा अधिकृत मुख्यार के माध्यम से आपत्ति दो प्रति में प्रस्तुत कर सकते हैं अथवा पंजीकृत डाक द्वारा भी प्रेषित कर सकते हैं।

निश्चित अवधि के उपरांत प्राप्त आपत्तियों/दावों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

परिशिष्ट

(पब्लिक ट्रस्ट का नाम और पता एवं अचल-चल सम्पत्ति का विवरण)

ट्रस्ट का नाम : “ गायत्री परिवार ट्रस्ट”
पता : मंगल मार्ग गांधीनगर, इंदौर मध्यप्रदेश.
अचल सम्पत्ति : मंगल मार्ग, गांधीनगर में निर्मित भवन लगभग 5.45 लाख.
चल सम्पत्ति : रु. 4,00,000/- (शब्दों में चार लाख सावधि)।

आज दिनांक 05 अगस्त, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से प्रसारित किया गया।

वरदमूर्ति मिश्रा,
अनुविभागीय अधिकारी।

(738)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी पेटलावद, जिला झाबुआ

क्र./ री-1/2014.—इस न्यायालय में श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी संस्था झकनावदा, तहसील पेटलावद, जिला झाबुआ द्वारा श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा के पंजीयन हेतु अध्यक्ष श्री शोशागमल कोठारी, निवासी झकनावदा द्वारा आवेदन-पत्र पेश किया है।

श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा के नाम अचल सम्पत्ति में एक मकान तीन मंजिला 113.06×26 व.फी. है। श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा झकनावदा, तहसील पेटलावद का पंजीयन किये जाने के सम्बन्ध में किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति या सुझाव दो प्रतियों में लिखित रूप से उद्घोषणा प्रकाशन के एक माह के भीतर दिनांक 20 सितम्बर, 2014 को मेरे समक्ष स्वयं या अभिभाषक या आम मुख्यार द्वारा प्रस्तुत कर सकता है, मियाद बाद प्राप्त आपत्ति पर किसी भी प्रकार का विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 21 अगस्त, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

एन. एस. राजावत,

अनुविभागीय अधिकारी एवं पंजीयक।

(739)

न्यायालय पंजीयक, सार्वजनिक लोक न्यास, बुरहानपुर

प्र.क्र./ बी/113 2013-14.

प्रारूप-तृतीय

[नियम-पॉच (1) देखिये]

(मध्यप्रदेश सार्वजनिक लोक न्यास अधिनियम, 1951 की धारा-04 के अन्तर्गत)

एतद्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि लोक न्यासों के पंजीयक, बुरहानपुर, जिला बुरहानपुर के समक्ष यह कि अध्यक्ष यमुनाबाई पति देवीदास चौधरी, निवासी ग्राम बिरोदा, तहसील एवं जिला बुरहानपुर मध्यप्रदेश ने “ सावित्रीबाई फुले महिला मण्डल ट्रस्ट बिरोदा, तहसील व जिला बुरहानपुर मध्यप्रदेश ” का लोक न्यास अधिनियम, 1951 की धारा-4 के अन्तर्गत अनुसूची में विनिर्दिष्ट संपत्ति के लिये “लोक न्यास ” के रूप में पंजीकृत किये जाने के लिये आवेदन किया है। एतद्वारा सूचना-पत्र दिया जाता है कि कथित आवेदन दिनांक 07 अक्टूबर, 2014 को मेरे न्यायालय में विचार में लिया जावेगा।

किसी आपत्ति या सुझाव को करने का आशय रखते हुए कथित न्यास या सम्पत्ति में हितबद्ध कोई व्यक्ति को इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से एक माह के भीतर दो प्रतियों में लिखित कथन प्रस्तुत करना चाहिये और मेरे समक्ष उपरोक्त तारीख पर या तो व्यक्तिशः अथवा प्लीडर या अभिकर्ता के माध्यम से उपस्थित होना चाहिये। उपरोक्त अवधि के अवसान के उपरान्त प्राप्त आपत्तियों को विचार में नहीं लिया जावेगा।

अनुसूची

(लोक न्यास का नाम और पता, सम्पत्ति का विवरण)

- “ सावित्रीबाई फुले महिला मण्डल ट्रस्ट बिरोदा, तहसील व जिला बुरहानपुर मध्यप्रदेश ”.
- चल सम्पत्ति .. 1250/-
- अचल सम्पत्ति .. निरंक.

(740)

के. आर. बडोले,
पंजीयक।

अन्य सूचनाएं

कार्यालय, संयुक्त संचालक, नगर तथा ग्राम निवेश, जिला कार्यालय उज्जैन

उज्जैन, दिनांक 04 सितम्बर, 2014

वर्तमान भूमि परियोजना नक्शे के अंतिम प्रकाशन का प्रारूप

क्र./2047/नग्रानि/आवियो/2014.—क्र.2047, उज्जैन दिनांक 04 सितम्बर, 2014 आगर वर्तमान भूमि उपयोग हेतु मानचित्र को मध्यप्रदेश

नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम, 1973 (क्रमांक 23 सन् 1973) की धारा-15 की उपधारा (1) के अधीन राजपत्र दिनांक 13 जून, 2014 में प्रकाशित किया गया था एवं उक्त धारा की उपधारा (2) के उपबंधों के अधीन आम जनता से आपत्तियां एवं सुझाव अमंत्रित किये गये, समस्त ऐसे व्यक्तियों को जिन्होंने आपत्ति या सुझाव, उपांतरण प्रस्तुत किये हैं, अपेक्षित विचारण उसमें किया गया है।

अब, उपरोक्त योजना क्षेत्र के लिये वर्तमान भूमि उपयोग हेतु मानचित्र उक्त अधिनियम की धारा-15 की उपधारा (3) के अधीन एतद्वारा अंगीकृत किया जाता है। और उसकी प्रति दिनांक 12 सितम्बर, 2014 से दिनांक 19 सितम्बर, 2014 तक कार्यालयीन समय के दौरान निरीक्षण हेतु कार्यालय में उपलब्ध रहेगी।

1. आयुक्त, उज्जैन संभाग, उज्जैन (म.प्र.).
2. कलेक्टर, जिला आगर (म.प्र.).
3. संयुक्त संचालक, नगर तथा ग्राम निवेश, भरतपुरी विकास प्राधिकरण भवन, उज्जैन (म.प्र.).
4. मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर पालिका परिषद्, आगर-मालवा (म.प्र.).

(741)

परमजीत कलसी,
प्र. संयुक्त संचालक,

कार्यालय परिसमापक, भवन गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्या., ग्वालियर

दिनांक 21 अगस्त, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं नियम, 1962 के नियम-57 (ग) के अन्तर्गत]

भवन गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्या., ग्वालियर, तहसील जिला ग्वालियर, जिसका पंजीयन क्रमांक 221, दिनांक 10 अगस्त, 1977 है, को उप-पंजीयक सहायक रजिस्ट्रार, सहकारी संस्थायें, जिला ग्वालियर के आदेश क्रमांक 1864, दिनांक 21 नवम्बर, 2013 के द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 (1) के अन्तर्गत मुझे परिसमापक नियुक्त किया गया है।

अतः मध्यप्रदेश सहकारी संस्थायें अधिनियम, 1962 के नियम क्र. 57 (ग) के अन्तर्गत उक्त संस्था के समस्त दावेदारों को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि वे संस्था के विरुद्ध अपने समस्त दावों को इस सूचना-पत्र के प्रकाशन के दिनांक से 02 माह के अन्दर मय प्रमाण के मुझे कार्यालय उप-सहायक पंजीयक, ग्वालियर में दिन के 12 से 04 बजे तक यदि हो तो मुझे लिखित रूप में प्रस्तुत करें। त्रुटि की दशा में साहूकारगण किसी भी लाभ के बंटवारे से वंचित होने के दायित्वाधीन होंगे। यदि 02 माह की अवधि में किसी दावेदार ने कोई दावा प्रस्तुत नहीं किया तो बाद में उसका दावा (क्लेम) मान्य नहीं किया जावेगा एवं संस्था की लेखापुस्तकों में लेखबद्ध समस्त दायित्व स्वयमेव मुझे विधिवत प्रस्तुत किये गये समझे जावेंगे।

आज दिनांक 21 अगस्त, 2014 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय की मुद्रा से जारी की गई।

ओ. पी. रहेजा,
परिसमापक.

(717)

कार्यालय शासकीय समानुदेशिती महाशक्ति गृह निर्माण सह. संस्था मर्या., इन्दौर.

इन्दौर, दिनांक 19 अगस्त, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (ए/क)(1)(2)(3) के अन्तर्गत]

क्र./शास.समा./2014/क्यू.—महाशक्ति गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्या., इन्दौर, तहसील इन्दौर, जिला इन्दौर, जिसका पंजीयन क्रमांक 457, दिनांक 26 सितम्बर, 1987 है, को उप-रजिस्ट्रार सहकारी संस्थाएं, जिला इन्दौर के आदेश क्रमांक/परिसमापन/2014/2723, दिनांक 11 अगस्त, 2014 के द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (ए/क)(1) के अन्तर्गत पंजीयन निरस्त कर अधिनियम, 1960 की धारा-18 (ए/क)(2) के अन्तर्गत अधोहस्ताक्षरी का शासकीय समानुदेशिती नियुक्त किया गया है।

अतः मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम क्रमांक-57 (ग) के अन्तर्गत उक्त संस्था के समस्त दावेदारों को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि वे संस्था के विरुद्ध अपने समस्त दावों को इस सूचना-पत्र के प्रकाशन के दिनांक से 2 माह के अन्दर मय प्रमाण के यदि हो तो अधोहस्ताक्षरी को लिखित रूप से प्रस्तुत कर सकते हैं। त्रुटि की दशा में साहूकारगण किसी भी लाभ के बंटवारे से वंचित होने के दायित्वाधीन

होंगे. यदि 2 माह की अवधि में किसी दावेदार ने कोई दावा प्रस्तुत नहीं किया तो बाद में उसका दावा (क्लेम) मान्य नहीं किया जावेगा एवं संस्था की लेखा पुस्तकों में लेखबद्ध समस्त दायित्व स्वयमेव मुझे विधिवत प्रस्तुत किये गये समझे जायेंगे।

यह सूचना-पत्र आज दिनांक 19 अगस्त, 2014 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

के. एल. कोरी,
सह. निरी. एवं शास. समानुदेशिती।

(718)

कार्यालय परिसमापक पवार गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्या., इन्दौर

इन्दौर, दिनांक 20 अगस्त, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1962 के नियम-57 (ग) के अन्तर्गत]

पवार गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्या., इन्दौर, तहसील ब जिला इन्दौर, जिसका पंजीयन क्रमांक 727, दिनांक 18 फरवरी, 1998 है, को उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएँ, जिला इन्दौर के आदेश क्रमांक/परि./1165, दिनांक 12 मार्च, 2014 द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएँ अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अंतर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 (1) के अंतर्गत मुझे नाम एच. एस. तिवारी, उप-अंकेश्वक, जिला इन्दौर को परिसमापक नियुक्त किया गया है।

अतः आदेश के परिपालन में मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएँ अधिनियम, 1962 के नियम-57 (ग) के अंतर्गत उक्त संस्था के समस्त दावेदारों/सदस्यों को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि वे संस्था के विरुद्ध अपने समस्त दावों का इस सूचना-पत्र के दिनांक से 60 दिवस के अंदर मय प्रमाण के मुझे लिखित में कार्यालय सहायक पंजीयक (ऑफिट) सहकारी संस्थाएँ, श्रमशिविर जेल रोड, इन्दौर में कार्यालयीन दिवस एवं समय में प्रस्तुत करें. त्रुटि की दशा में सावकार किसी भी लाभ के बंटवारे से वंचित होने के दायित्वाधीन होंगे।

यदि निर्धारित अवधि में मय प्रमाण कोई दावा प्रस्तुत नहीं किया गया तो बाद में उसका क्लेम मान्य नहीं किया जाएगा। संस्था की उपलब्ध लेखा पुस्तकों एवं उपलब्ध जानकारी में लेखबद्ध समस्त दायित्व स्वयमेव मुझे विधिवत प्रस्तुत किए गए समझे जावेंगे।

उक्त सूचना-पत्र आज दिनांक 20 अगस्त, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

एच. एस. तिवारी,
परिसमापक।

(719)

कार्यालय उप-आयुक्त सहकारिता एवं उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएँ, जिला शाजापुर

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत]

पुलिस विभाग कर्मचारी साख सहकारी संस्था मर्या., शाजापुर, जिला शाजापुर, पंजीयन क्रमांक 25, दिनांक 09 मई, 1966 को कार्यालयीन आदेश क्रमांक/परिसमापन/2013/580, शाजापुर, दिनांक 22 मई, 2009 द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के अन्तर्गत परिसमापन में लाया गया था। परिसमापक से प्राप्त अन्तिम प्रतिवेदन से प्रतीत होता है कि उक्त संस्था में कोई लेना-देना शेष नहीं रहा है।

अतः मैं, आर. के. मालवीय, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएँ, जिला शाजापुर, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत एवं मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-1-99-15-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त पंजीयक की शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूँ। उक्त संस्था का अस्तित्व आज दिनांक 30 जून, 2014 से निगमित निकाय के रूप में नहीं रहेगा।

यह आदेश आज दिनांक 30 जून, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया है।

(720)

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत]

नर्मदा बीज उत्पादक सहकारी संस्था मर्या., कानड, जिला शाजापुर, पंजीयन क्रमांक 1003, दिनांक 04 सितम्बर, 2009 को कार्यालयीन आदेश क्रमांक/परिसमापन/2013/765, शाजापुर, दिनांक 01 अगस्त, 2013 द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के अन्तर्गत परिसमापन में लाया गया था। परिसमापक से प्राप्त अन्तिम प्रतिवेदन से प्रतीत होता है कि उक्त संस्था में कोई लेना-देना शेष नहीं रहा है।

अतः मैं, आर. के. मालवीय, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएँ, जिला शाजापुर, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत एवं मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-1-99-15-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त पंजीयक की शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूँ। उक्त संस्था का अस्तित्व आज दिनांक 30 जून, 2014 से निगमित निकाय के रूप में नहीं रहेगा।

यह आदेश आज दिनांक 30 जून, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया है।

आर. के. मालवीय,
उप-पंजीयक।

(720-A)

कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला विदिशा

इस कार्यालय के आदेश क्रमांक/परिसमापन/2009/1110, विदिशा, दिनांक 28 अक्टूबर, 2009 से दुर्घ उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, दामखेड़ा, तहसील लटेरी, जिला विदिशा, जिसका पंजीयन क्रमांक/डी. आर./व्ही.डी.एस./637, दिनांक 10 अक्टूबर, 2002 को परिसमापन में लाया जाकर सहकारिता विस्तार अधिकारी विकासखण्ड लटेरी, जिला विदिशा को संस्था का समापक नियुक्त किया गया था।

समापक द्वारा दुर्घ उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, दामखेड़ा, तहसील लटेरी, जिला विदिशा की परिसमापन की कार्यवाही पूर्ण कर संस्था का अन्तिम प्रतिवेदन संस्था का पंजीयन निरस्त करने की अनुशंसा के साथ प्रस्ताव प्रस्तुत किया है।

मैं, समापक के द्वारा की गई कार्यवाही का अवलोकन करने के पश्चात् इस निष्कर्ष पर पहुँचा हूँ कि उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतः मैं, भूपेन्द्र प्रताप सिंह, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला विदिशा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) एवं मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ-5-1-99/एक-पन्द्रह-1-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये दुर्घ उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, दामखेड़ा, तहसील लटेरी, जिला विदिशा, जिसका पंजीयन क्रमांक/डी. आर./व्ही.डी.एस./637, दिनांक 10 अक्टूबर, 2002 का पंजीयन निरस्त करते हुए उसका निगम निकाय (बॉडी-कार्पोरेट) इस आदेश दिनांक से समाप्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 4 अगस्त, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(721)

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3)के अन्तर्गत]

श्री सदगुरु महिला बहुउद्देशीय सहकारी संस्था मर्या., सदगुरु नगर, तहसील लटेरी ने अपने पत्र दिनांक 18 जून, 2014 में उल्लेख किया है कि संस्था पंजीयन दिनांक से ही कार्य नहीं कर रही है तथा न ही सदस्य इसे संचालित करने में रुचि रखते हैं। संस्था द्वारा संस्था को परिसमापन में लाने तथा पंजीयन निरस्त करने हेतु निवेदन किया गया है।

संस्था अध्यक्ष के पत्र से निष्कर्ष निकलता है कि संस्था निष्क्रिय है। इस प्रकार उपरोक्त संस्था मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) (क) में वर्णित स्थिति निर्मित हो गई है। इस कारण संस्था को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक हो गया है।

अतः मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्र. एफ-5-1-99-पन्द्रह-एक-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) की शक्ति का प्रयोग करते हुये मैं, भूपेन्द्र प्रताप सिंह, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला विदिशा, श्री सदगुरु महिला बहुउद्देशीय सहकारी संस्था मर्या., सदगुरु नगर, तहसील लटेरी, जिला विदिशा, पंजीयन क्रमांक डी. आर./व्ही.डी.एस./781, दिनांक 09 जून, 2011 को यह कारण बताओ सूचना-पत्र जारी करता हूँ कि क्यों न उक्त वर्णित कारण से मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत उपरोक्त संस्था को परिसमापन में लाया जाकर समापक नियुक्त किया जाये। इस सूचना-पत्र की प्राप्ति के दिनांक से तीन सप्ताह के भीतर इस कारण बताओ सूचना-पत्र का लिखित उत्तर साक्ष्य सहित इस कार्यालय में प्रस्तुत करें। यदि उक्त संस्था विनिर्दिष्ट समय के भीतर अपना उत्तर प्रस्तुत करने में असफल रहती है अथवा प्रस्तुत उत्तर असंतोषजनक पाया जाता है तो मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत उसे परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 (1) के अन्तर्गत समापक नियुक्त कर दिया जायेगा।

यह कारण बताओ सूचना-पत्र में अपने हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से आज दिनांक 07 अगस्त, 2014 को जारी करता हूँ।

भूपेन्द्र प्रताप सिंह,
उप-पंजीयक।

(721-B)

कार्यालय परिसमापक सहकारी संस्थाएं, जिला विदिशा

विदिशा, दिनांक 04 अगस्त, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम 57 (ग) के अन्तर्गत]

निम्नलिखित संस्थाएं मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन में थीं। निम्न संस्थाओं का संशोधित आदेश क्रमांक/परिसमापन/2014/520, विदिशा, दिनांक 16 जून, 2014 के द्वारा मुझे परिसमापक नियुक्त किया गया है :—

क्रमांक	परिसमापित संस्था का नाम	पंजीयन क्रमांक एवं दिनांक	परिसमापन आदेश क्रमांक एवं दिनांक
1.	तिलहन उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, छोरखेड़ा	370/03-08-1991	989/01-08-1998
2.	तिलहन उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, देहरी	381/26-09-1991	603/21-05-1998
3.	तिलहन उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, पगरानी	436/21-05-1992	597/21-05-1998

अतः मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम-57 (ग) के अंतर्गत उक्त संस्थाओं के समस्त दावेदारों को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि संस्था के विरुद्ध अपने समस्त दावों को इस सूचना प्रकाशन के दिनांक से 60 दिवस के अंदर मय साक्ष्य के यदि कोई हो, तो मुझे कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, विदिशा में उपस्थित होकर लिखित रूप से सप्रमाण प्रस्तुत करें। त्रुटि की दशा में किसी भी लाभ के बंटवारे से वंचित होने के लिये संबंधित दावेदार स्वयं दायित्वाधीन होंगे। यदि 60 दिवस की अवधि में किसी दावेदार ने कोई दावा प्रस्तुत नहीं किया तो बाद में उसका दावा मान्य नहीं किया जावेगा तथा संस्था की लेखा पुस्तकों में संबद्ध लेखाबद्ध दायित्व मुझे स्वमेव प्रस्तुत किये गये समझे जायेंगे।

यह सूचना-पत्र आज दिनांक 4 अगस्त, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी करता हूँ।

व्ही. के. गुप्ता,
परिसमापक।

(722)

कार्यालय परिसमापक सहकारी संस्थाएं, जिला विदिशा

विदिशा, दिनांक 04 अगस्त, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम 57 (ग) के अन्तर्गत]

निम्नलिखित संस्थाएं मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन में थीं। निम्न संस्थाओं का संशोधित आदेश क्रमांक/परिसमापन/2014/521, दिनांक 16 जून, 2014 के द्वारा मुझे परिसमापक नियुक्त किया गया है :—

क्रमांक	परिसमापित संस्था का नाम	पंजीयन क्रमांक एवं दिनांक	परिसमापन आदेश क्रमांक एवं दिनांक
1.	तिलहन उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, नागपिपरिया	394/08-10-1991	606/21-05-1998
2.	तिलहन उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, भिदवासन	393/08-10-1991	985/01-08-1998
3.	तिलहन उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, छोरखेड़ा धूवा	395/08-10-1991	1881/29-10-2001
4.	तिलहन उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, कुरवाई	402/23-10-1991	1881/29-10-2001
5.	तिलहन उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, लचायरा	423/31-03-1992	1881/29-10-2001
6.	तिलहन उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, सीहोरा	416/29-01-1992	298/06-03-2010
7.	तिलहन उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, नाऊकुंड	396/08-10-1991	1881/29-10-2001
8.	तिलहन उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, भाल बामोरा	392/23-11-1990	1881/29-10-2001
9.	तिलहन उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, करेला	320/21-10-1987	996/01-08-1998
10.	तिलहन उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, रूसल्लीसाहू	410/14-11-1991	1881/29-10-2001
11.	तिलहन उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, ओखलीखेड़ा	412/19-11-1991	1881/29-10-2001
12.	तिलहन उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, नागौर	407/31-10-1991	599/21-05-1998
13.	तिलहन उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, पमारिया	424/31-03-1992	601/21-05-1998

अतः मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम-57 (ग) के अंतर्गत उक्त संस्थाओं के समस्त दावेदारों को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि संस्था के विरुद्ध अपने समस्त दावों को इस सूचना प्रकाशन के दिनांक से 60 दिवस के अंदर मय साक्ष्य के यदि कोई हो, तो मुझे कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, विदिशा में उपस्थित होकर लिखित रूप से सप्रमाण प्रस्तुत करें। त्रुटि की दशा में किसी भी लाभ के बंटवारे से वंचित होने के लिये संबंधित दावेदार स्वयं दायित्वाधीन होंगे। यदि 60 दिवस की अवधि में किसी दावेदार ने कोई दावा प्रस्तुत नहीं किया तो बाद में उसका दावा मान्य नहीं किया जावेगा तथा संस्था की लेखा पुस्तकों में संबद्ध लेखाबद्ध दायित्व मुझे स्वमेव प्रस्तुत किये गये समझे जायेंगे।

यह सूचना-पत्र आज दिनांक 4 अगस्त, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी करता हूँ।

आर. एस. उपाध्याय,
परिसमापक।

(723)

कार्यालय परिसमापक सहकारी संस्थाएं, जिला विदिशा

विदिशा, दिनांक 05 अगस्त, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम 57 (ग) के अन्तर्गत]

निम्नलिखित संस्थाएं मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन में थीं। निम्न संस्थाओं का

संशोधित आदेश क्रमांक/परिसमापन/2014/519, विदिशा, दिनांक 16 जून, 2014 के द्वारा मुझे परिसमापक नियुक्त किया गया है :—

क्रमांक	परिसमापित संस्था का नाम	पंजीयन क्रमांक एवं दिनांक	परिसमापन आदेश क्रमांक एवं दिनांक
1.	तिलहन उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, खेरूआहाट	443/27-05-1992	602/21-05-1998
2.	तिलहन उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, परासीगूजर	495/30-06-1993	595/21-05-1998
3.	तिलहन उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, कुल्हार	391/01-10-1991	988/01-08-1998
4.	तिलहन उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, आमखेडा सूखा	374/26-09-1991	605/21-05-1998
5.	तिलहन उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, मूडरा गजार	386/01-10-1991	598/21-05-1998

अतः मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम-57 (ग) के अंतर्गत उक्त संस्थाओं के समस्त दावेदारों को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि संस्था के विरुद्ध अपने समस्त दावों को इस सूचना प्रकाशन के दिनांक से 60 दिवस के अंदर मय साक्ष्य के यदि कोई हो, तो मुझे कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, विदिशा में उपस्थित होकर लिखित रूप से सप्रमाण प्रस्तुत करें। त्रुटि की दशा में किसी भी लाभ के बंटवारे से वंचित होने के लिये संबंधित दावेदार स्वयं दायित्वाधीन होंगे। यदि 60 दिवस की अवधि में किसी दावेदार ने कोई दावा प्रस्तुत नहीं किया तो बाद में उसका दावा मान्य नहीं किया जावेगा तथा संस्था की लेखा पुस्तकों में संबद्ध लेखबद्ध दायित्व मुझे स्वमेव प्रस्तुत किये गये समझे जायेंगे।

यह सूचना-पत्र आज दिनांक 5 अगस्त, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी करता हूँ।

(724)

पी. के. मोहता,
परिसमापक.

कार्यालय परिसमापक एवं सहकारी निरीक्षक, सहकारी समितियां, विदिशा

विदिशा, दिनांक 05 अगस्त, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम 57 (ग) के अन्तर्गत]

निम्नलिखित संस्थाएं मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन में थीं। निम्न संस्थाओं का संशोधित आदेश क्रमांक/परिसमापन/2014/523, विदिशा, दिनांक 16 जून, 2014 के द्वारा मुझे परिसमापक नियुक्त किया गया है :—

क्रमांक	परिसमापित संस्था का नाम	पंजीयन क्रमांक एवं दिनांक	परिसमापन आदेश क्रमांक एवं दिनांक
1.	तिलहन उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, बरवाई	401/15-10-1991	1881/29-10-2001
2.	तिलहन उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, भैसवाया	408/31-10-1991	1881/29-10-2001
3.	तिलहन उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, शहरवासा	403/25-10-1991	1881/29-10-2001
4.	तिलहन उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, गुलावगंज	277/31-07-1986	1882/29-10-2001
5.	तिलहन उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, अंडियाकला	435/01-05-1992	1881/29-10-2001
6.	तिलहन उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, मानोरा	388/01-10-1991	1881/29-10-2001
7.	तिलहन उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, किशनोदा	444/27-05-1992	984/01-08-1998
8.	तिलहन उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, पिपलधार	439/22-05-1992	600/25-05-1998
9.	तिलहन उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, विछिया	409/14-11-1991	1881/29-10-2001

अतः मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम-57 (ग) के अंतर्गत उक्त संस्थाओं के समस्त दावेदारों को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि संस्था के विरुद्ध अपने समस्त दावों को इस सूचना प्रकाशन के दिनांक से 02 माह के अंदर मय साक्ष्य के यदि कोई हो, तो मुझे कार्यालय सहायक पंजीयक, अंकेक्षण, सहकारी संस्थाएं, विदिशा में उपस्थित होकर लिखित रूप से सप्रमाण प्रस्तुत करें। त्रुटि की दशा में किसी भी लाभ के बंटवारे से वंचित होने के लिये संबंधित दावेदार स्वयं दायित्वाधीन होंगे। यदि 02 माह की अवधि में किसी दावेदार ने कोई दावा प्रस्तुत नहीं किया तो बाद में उसका दावा मान्य नहीं किया जावेगा तथा संस्था की लेखा पुस्तकों में संबद्ध लेखबद्ध दायित्व मुझे स्वमेव प्रस्तुत किये गये समझे जायेंगे।

आज दिनांक 5 अगस्त, 2014 को मेरे हस्ताक्षर, कार्यालयीन मुद्रा से यह आदेश जारी किया गया।

(725)

बी. एस. दांगी,
परिसमापक एवं सहकारी निरीक्षक।

कार्यालय परिसमापक सहकारी समितियां, जिला डिण्डोरी

(मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटीज नियम, 1962 के नियम-57 “सी” के अन्तर्गत)

यह कि समस्त सम्बन्धितों को इस सूचना-पत्र के माध्यम से अवगत कराया जाता है कि अधोहस्ताक्षरकर्ता को सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला डिण्डोरी के द्वारा सहकारी संस्थाओं के सम्मुख दर्शित आदेश क्रमांक/दिनांक द्वारा निम्न समितियों का परिसमापक नियुक्त किया गया है:—

क्र.	संस्था का नाम	पंजीयन क्रमांक एवं दिनांक	परिसमापन आदेश क्रमांक एवं दिनांक
1.	प्राथ. वृक्ष सहकारी समिति मर्या., रानीबुढ़ार	563/30-10-1991	10-08-2007
2.	प्राथ. वृक्ष सहकारी समिति मर्या., बोधघुण्डी	554/30-10-1991	10-08-2007
3.	प्राथ. वृक्ष सहकारी समिति मर्या., जलधरा	558/30-10-1991	10-08-2007
4.	प्राथ. वृक्ष सहकारी समिति मर्या., मैनपुरी	562/30-10-1991	10-08-2007
5.	बीड़ी उद्योग सहकारी समिति मर्या., डिण्डोरी	73/18-08-1961	—
6.	ईट खपरा निर्माण उद्योग सहकारी समिति मर्या., धनुवासागर	135/29-04-1963	173/14-03-2013
7.	मॉ शारदा आदिवासी टाटपट्टी बुनकर सहकारी समिति मर्या., गोयरा.	24/23-05-2008	173/14-03-2013
8.	नर्मदा महिला उपभोक्ता सहकारी समिति मर्या., डिण्डोरी	20/25-04-1997	402/17-06-2014
9.	प्राथमिक खनिज उत्खनन सहकारी समिति मर्या., शहपुरा	694/17-04-1996	417/17-06-2014

अधोहस्ताक्षरकर्ता को उपरोक्त संस्थाओं के आस्तियों एवं दायित्वों का निराकरण करना है एवं पंजीयन निरस्ती की कार्यवाही पूर्ण करनी है। अतः समस्त सम्बन्धितों को अवगत कराया जाता है कि यदि किसी को उक्त संस्थाओं से कोई लेनदारी/देनदारी है तो वह अपने दावे सूचना-पत्र के प्रकाशन दिनांक से 2 माह के भीतर प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें। अन्यथा की स्थिति में यह माना जाकर कि कोई दावा नहीं है। संस्था के लेनदारी/देनदारी का अंतिम निराकरण कर दिया जावेगा। दावा कार्यालय सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला डिण्डोरी में मुझ परिसमापक को सम्बन्धित समितियों के दस्तावेज/प्रमाण सहित लेखी में कार्यालयीन समय में प्रस्तुत किया जा सकता है।

यह सूचना आज दिनांक 28 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर से जारी की गई।

डी. पी. खरिया,

परिसमापक एवं वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक.

(726)

कार्यालय परिसमापक सहकारी संस्थाएं मर्या., जिला नीमच द्वारा सहायक आयुक्त सहकारी संस्थाएं, जिला नीमच

(मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं नियम, 1962 के नियम-57 “सी” के अन्तर्गत)

निनालिखित सहकारी संस्थाओं को जिनको मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं, अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 (1) के अन्तर्गत मुझे निनालिखित संस्थाओं का परिसमापक नियुक्त किया गया है। जिनका विवरण निम्नानुसार है:—

क्र.	नाम परिसमापित संस्थाएं	पंजीयन क्रमांक एवं दिनांक	आदेश क्रमांक एवं दिनांक
1.	प्राथ. वृक्ष सहकारी समिति मर्या., धामनिया ते मनासा, जिला नीमच	228/30-07-1991	803/06-02-2014
2.	प्राथ. वृक्ष सहकारी समिति मर्या., पडदा ते मनासा, जिला नीमच.	216/24-07-1991	803/06-02-2014
3.	प्राथ. वृक्ष सहकारी समिति मर्या., जन्नोद ते मनासा, जिला नीमच.	217/24-07-1991	803/06-02-2014

(1)	(2)	(3)	(4)
4.	प्राथ. वृक्ष सहकारी समिति मर्या., पीपलदा ते मनासा, जिला नीमच.	218/24-07-1991	803/06-02-2014
5.	प्राथ. वृक्ष सहकारी समिति मर्या., सालारमाला ते मनासा, जिला नीमच.	234/07-08-1991	803/06-02-2014
6.	प्राथ. वृक्ष सहकारी समिति मर्या., रामखेडा ते मनासा, जिला नीमच.	221/24-07-1991	803/06-02-2014
7.	विश्वकर्मा उद्योग सहकारी समिति मर्या., मनासा ते मनासा, जिला नीमच.	128/12-10-1963	803/06-02-2014
8.	नेहरू कुम्भकार सहकारी समिति मर्या., मनासा ते मनासा, जिला नीमच.	622/01-04-1980	803/06-02-2014
9.	सांवलिया ईंट-भट्टा सहकारी समिति मर्या., नीमच, जिला नीमच	14/14-09-2000	803/06-02-2014
10.	महिला प्रज्ञा सहकारी समिति मर्या., नीमच, जिला नीमच.	24/17-10-2001	803/06-02-2014
11.	महिला देवी अहिल्या सहकारी समिति मर्या., नीमच, जिला नीमच	28/02-11-2001	803/06-02-2014

अतः मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम क्र. 57 सी के अन्तर्गत उक्त संस्थाओं के समस्त दावेदारों को एतद्वारा सूचित किया जाता है. कि वे संस्था के विरुद्ध अपने समस्त दावों को इस सूचना-पत्र के प्रकाशन के दिनांक से 2 माह के अन्दर मय प्रमाण के यदि हो तो मुझे लिखित रूप से प्रस्तुत कर सकते हैं. त्रुटि की दशा में साहूकारगण किसी भी लाभ के बंटवारे से वंचित होने के दायित्वाधीन होंगे. यदि 2 माह की अवधि में किसी दावेदार ने कोई दावा प्रस्तुत नहीं किया तो बाद में उसका दावा (क्लेम) मान्य नहीं किया जावेगा एवं संस्था की लेखा पुस्तकों में लेखबद्ध समस्त दायित्व स्वयमेव मुझे विधिवत् प्रस्तुत किये गये समझे जावेंगे.

यह सूचना-पत्र आज दिनांक 28 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

ए. के. तिवारी,
परिसमापक.

(727)

कार्यालय परिसमापक सहकारिता, जिला नीमच द्वारा सहायक आयुक्त, सहकारिता, जिला नीमच

(मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं नियम, 1962 के नियम-57 “सी” के अन्तर्गत)

निनालिखित सहाकारी संस्थाओं को जिनको मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं, अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 (1) के अन्तर्गत मुझे निन्नलिखित संस्थाओं का परिसमापक नियुक्ति किया गया है. जिनका विवरण निम्नानुसार है:—

क्र.	नाम परिसमापित संस्थाएं	पंजीयन क्रमांक एवं दिनांक	आदेश क्रमांक एवं दिनांक
1.	उद्वहन सिंचाई सह संस्था मर्या., पालसौड़ा	105/02-12-1963	803/06-02-2014
2.	कृषक हर्टिकल्चर सह संस्था मर्या., नीमच	714/17-08-1999	803/06-02-2014
3.	नीमच बैण्ड बाजा सह संस्था मर्या., नीमच	131/28-02-1973	803/06-02-2014
4.	तिलहन उत्पादक सह संस्था मर्या., जीरन	733/16-11-1994	803/06-02-2014
5.	तिलहन उत्पादक सह संस्था मर्या., कुचड़ौद	734/16-11-1994	803/06-02-2014
6.	अभीनव प्राथ. उप. सह संस्था मर्या., नीमच	520/02-01-1991	803/06-02-2014
7.	शा. अफिम अल्का लाईट सह संस्था मर्या., नीमच	629/07-03-1992	803/06-02-2014
8.	ओपियम कर्म. उप. सह संस्था मर्या., नीमच	46/06-05-1942	803/06-02-2014
9.	आदर्श प्राथ. उप. सह संस्था मर्या., सिंगौली	33/27-04-2002	803/06-02-2014
10.	राजीव प्राथ. उप. सह संस्था मर्या., जावद	765/16-12-1994	803/06-02-2014

अतः मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं नियम, 1962 के नियम 57 सी के अन्तर्गत उक्त संस्थाओं के समस्त दावेदारों को एतद्वारा सूचित किया जाता है. कि वे संस्था के विरुद्ध अपने समस्त दावों को इस सूचना-पत्र के प्रकाशन के दिनांक से 2 माह के अन्दर मय प्रमाण के यदि हो तो मुझे लिखित रूप से प्रस्तुत कर सकते हैं. त्रुटि की दशा में साहूकारण किसी भी लाभ के बंटवारे से वंचित होने के दायित्वाधीन होंगे. यदि 2 माह की अवधि में किसी दावेदार ने कोई दावा प्रस्तुत नहीं किया तो बाद में उसका दावा (क्लेम) मान्य नहीं किया जावेगा एवं संस्था की लेखा पुस्तकों में लेखबद्ध समस्त दायित्व स्वयमेव मुझे विधिवत् प्रस्तुत किये गये समझे जावेंगे.

यह सूचना-पत्र आज दिनांक 28 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

डी. एल. उपाध्याय,
सह. निरीक्षक.

(728)

कार्यालय परिसमापक सहकारी संस्थाएं मर्या., जिला नीमच द्वारा सहायक आयुक्त, सहकारी संस्थाएं, जिला नीमच नीमच, दिनांक 7 अगस्त, 2014

(मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं नियम, 1962 के नियम-57 “सी” के अन्तर्गत)

निनालिखित सहकारी संस्थाओं को जिनको मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं, अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 (1) के अन्तर्गत मुझे निनालिखित संस्थाओं का परिसमापक नियुक्ति किया गया है. जिनका विवरण निम्नानुसार है:—

क्र.	नाम परिसमापित संस्थाएं	पंजीयन क्रमांक एवं दिनांक	आदेश क्रमांक एवं दिनांक
1.	उद्धवहन सिंचाई सह संस्था मर्या., पड़वा	803/19-07-1996	803/06-02-2014
2.	महेश गृह निर्माण सह संस्था मर्या., नीमच	15/20-03-1982	803/06-02-2014
3.	गुरु तेग बहादुर गृह निर्माण सह संस्था मर्या., नीमच	12/19-12-1981	803/06-02-2014
4.	विनोबा भावे गृह निर्माण सह संस्था मर्या., जावद	27/07-11-1984	803/06-02-2014
5.	प्राथमिक वृक्ष सहकारी संस्था मर्या., मुकेरा	565/27-07-1991	803/06-02-2014
6.	आदर्श रंगाई छपाई उद्योग सहकारी संस्था मर्या., तारापुर	212/13-04-1954	803/06-02-2014
7.	प्राथमिक दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्या., बमोरा	653/13-10-1992	803/06-02-2014
8.	प्राथमिक दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्या., महुड़िया	655/13-10-1992	803/06-02-2014
9.	प्राथमिक दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्या., धनेरिया कलां	688/16-04-1988	803/06-02-2014
10.	प्राथमिक दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्या., दुदर्शी	689/16-04-1992	803/06-02-2014
11.	प्राथमिक दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्या., खेड़दारू	690/10-04-1993	803/06-02-2014
12.	प्राथमिक दुग्ध उत्पादक सह संस्था मर्या., कंजार्डा	627/21-01-1992	803/06-02-2014
13.	प्राथमिक दुग्ध उत्पादक सह संस्था मर्या., पंचदेवरान	626/21-01-1992	803/06-02-2014
14.	गंगा फल-फूल साग-सब्जि बीज उत्पादक प्रक्रिया विपणन सहकारी समिति मर्या., बमोरा.	21/17-10-2001	803/06-02-2014

अतः मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम क्र. 57 सी के अन्तर्गत उक्त संस्थाओं के समस्त दावेदारों को एतद्वारा सूचित किया जाता है. कि वे संस्था के विरुद्ध अपने समस्त दावों को इस सूचना-पत्र के प्रकाशन के दिनांक से 2 माह के अन्दर मय प्रमाण के यदि हो तो मुझे लिखित रूप से प्रस्तुत कर सकते हैं. त्रुटि की दशा में साहूकारण किसी भी लाभ के बंटवारे से वंचित होने के दायित्वाधीन होंगे. यदि 2 माह की अवधि में किसी दावेदार ने कोई दावा प्रस्तुत नहीं किया तो बाद में उसका दावा (क्लेम) मान्य नहीं किया जावेगा एवं संस्था की लेखा पुस्तकों में लेखबद्ध समस्त दायित्व स्वयमेव मुझे विधिवत् प्रस्तुत किये गये समझे जावेंगे.

यह सूचना-पत्र आज दिनांक 7 अगस्त, 2014 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

राजेश कुमार हरित,
परिसमापक.

(729)

कार्यालय सहायक रजिस्ट्रार, सहकारी संस्थाएं, मण्डला

कार्यालयीन पत्र क्रमांक/संपर्क/परि./2014/1395/मण्डला, दिनांक 11 जून, 2014 के द्वारा बीज उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, पिपरी रैयत, विकासखण्ड मवई की पंजीयन दिनांक से अकार्यशील होने एवं संस्था की उपविधि अनुसार उद्देश्यों की पूर्ति नहीं कराने के कारण, के कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया जाकर 15 दिवस में समाधानकारक उत्तर चाहा गया था। इसके बाद भी संस्था द्वारा समाधानकारक उत्तर नहीं दिया गया।

निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कारण बताओ सूचना-पत्र का जवाब अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत नहीं किया। अतः समितियों द्वारा समयावधि में उत्तर प्रस्तुत नहीं करने से ऐसा प्रतीत होता है, कि इस संस्था के भविष्य में भी कार्यशील होने की कोई सम्भावना नहीं है। अतः मेरे मत से इस संस्था को परिसमापन में लाना आवश्यक हो गया है।

अतएव मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-डी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त पंजीयक सहकारी समितियाँ मध्यप्रदेश भोपाल की शक्तियाँ जो मुझ में वेष्ठित हैं का प्रयोग करते हुये मैं, के. सी. अग्रवाल, सहायक रजिस्ट्रार, सहकारी संस्थाएं, मण्डला, उपरोक्त कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सोसायटीज अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत बीज उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, पिपरी रैयत, पंजीयन क्रमांक 1052, दिनांक 01 मार्च, 2014 को परिसमापन में लाता हूँ तथा इस समिति की अस्तित्वों के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अन्तर्गत श्री नितेन्द्र तेकाम, सहकारिता विस्तार अधिकारी, विकासखण्ड मवई को परिसमापक नियुक्त करता हूँ साथ ही यह भी आदेशित करता हूँ कि धारा-71 के अन्तर्गत परि. की समस्त कार्यवाही पूर्ण कर अंतिम प्रतिवेदन आदेश जारी करने के दिनांक से 3 माह के अन्दर कार्यालय में प्रस्तुत करें।

यह आदेश आज दिनांक 22 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(732)

कार्यालयीन पत्र क्रमांक/संपर्क/परि./2014/1395/मण्डला, दिनांक 11 जून, 2014 के द्वारा बीज उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, पिपरीमाल, विकासखण्ड मवई की पंजीयन दिनांक से अकार्यशील होने एवं संस्था की उपविधि अनुसार उद्देश्यों की पूर्ति नहीं कराने के कारण, के कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया जाकर 15 दिवस में समाधानकारक उत्तर चाहा गया था। इसके बाद भी संस्था द्वारा समाधानकारक उत्तर नहीं दिया गया।

निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कारण बताओ सूचना-पत्र का जवाब अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत नहीं किया। अतः समितियों द्वारा समयावधि में उत्तर प्रस्तुत नहीं करने से ऐसा प्रतीत होता है, कि इस संस्था के भविष्य में भी कार्यशील होने की कोई सम्भावना नहीं है। अतः मेरे मत से इस संस्था को परिसमापन में लाना आवश्यक हो गया है।

अतएव मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-डी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त पंजीयक सहकारी समितियाँ मध्यप्रदेश भोपाल की शक्तियाँ जो मुझ में वेष्ठित हैं का प्रयोग करते हुये मैं, के. सी. अग्रवाल, सहायक रजिस्ट्रार, सहकारी संस्थाएं, मण्डला, उपरोक्त कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सोसायटीज अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत बीज उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, पिपरीमाल, पंजीयन क्रमांक 1099, दिनांक 01 मार्च, 2014 को परिसमापन में लाता हूँ तथा इस समिति की अस्तित्वों के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अन्तर्गत श्री नितेन्द्र तेकाम, सहकारिता विस्तार अधिकारी, विकासखण्ड मवई को परिसमापक नियुक्त करता हूँ साथ ही यह भी आदेशित करता हूँ कि धारा-71 के अन्तर्गत परि. की समस्त कार्यवाही पूर्ण कर अंतिम प्रतिवेदन आदेश जारी करने के दिनांक से 3 माह के अन्दर कार्यालय में प्रस्तुत करें।

यह आदेश आज दिनांक 22 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(732-A)

कार्यालयीन पत्र क्रमांक/संपर्क/परि./2014/1395/मण्डला, दिनांक 11 जून, 2014 के द्वारा बीज उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, मेढा, विकासखण्ड मवई की पंजीयन दिनांक से अकार्यशील होने एवं संस्था की उपविधि अनुसार उद्देश्यों की पूर्ति नहीं कराने के कारण, के कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया जाकर 15 दिवस में समाधानकारक उत्तर चाहा गया था। इसके बाद भी संस्था द्वारा समाधानकारक उत्तर नहीं दिया गया।

निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कारण बताओ सूचना-पत्र का जवाब अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत नहीं किया। अतः समितियों द्वारा समयावधि में उत्तर प्रस्तुत नहीं करने से ऐसा प्रतीत होता है, कि इस संस्था के भविष्य में भी कार्यशील होने की कोई सम्भावना नहीं है। अतः मेरे मत से इस संस्था को परिसमापन में लाना आवश्यक हो गया है।

अतएव मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-डी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त पंजीयक सहकारी समितियाँ मध्यप्रदेश भोपाल की शक्तियाँ जो मुझ में वेष्ठित हैं का प्रयोग करते हुये मैं, के. सी. अग्रवाल, सहायक रजिस्ट्रार, सहकारी संस्थाएं, मण्डला, उपरोक्त कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सोसायटीज अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत बीज उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, मेडा, पंजीयन क्रमांक 1077, दिनांक 01 मार्च, 2014 को परिसमापन में लाता हूँ तथा इस समिति की अस्तित्वों के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अन्तर्गत श्री नितेन्द्र तेकाम, सहकारिता विस्तार अधिकारी, विकासखण्ड मर्वई को परिसमापक नियुक्त करता हूँ साथ ही यह भी आदेशित करता हूँ कि धारा-71 के अन्तर्गत परि. की समस्त कार्यवाही पूर्ण कर अंतिम प्रतिवेदन आदेश जारी करने के दिनांक से 3 माह के अन्दर कार्यालय में प्रस्तुत करें।

यह आदेश आज दिनांक 22 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(732-B)

कार्यालयीन पत्र क्रमांक/सपंम/परि./2014/1395/मण्डला, दिनांक 11 जून, 2014 के द्वारा बीज उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, परसेल, विकासखण्ड मर्वई की पंजीयन दिनांक से अकार्यशील होने एवं संस्था की उपविधि अनुसार उद्देश्यों की पूर्ति नहीं कराने के कारण, के कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया जाकर 15 दिवस में समाधानकारक उत्तर चाहा गया था। इसके बाद भी संस्था द्वारा समाधानकारक उत्तर नहीं दिया गया।

निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कारण बताओ सूचना-पत्र का जवाब अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत नहीं किया। अतः समितियों द्वारा समयावधि में उत्तर प्रस्तुत नहीं करने से ऐसा प्रतीत होता है, कि इस संस्था के भविष्य में भी कार्यशील होने की कोई सम्भावना नहीं है। अतः मेरे मत से इस संस्था को परिसमापन में लाना आवश्यक हो गया है।

अतएव मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-डी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त पंजीयक सहकारी समितियाँ मध्यप्रदेश भोपाल की शक्तियाँ जो मुझ में वेष्ठित हैं का प्रयोग करते हुये मैं, के. सी. अग्रवाल, सहायक रजिस्ट्रार, सहकारी संस्थाएं, मण्डला, उपरोक्त कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सोसायटीज अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत बीज उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, परसेल, पंजीयन क्रमांक 1056, दिनांक 01 मार्च, 2014 को परिसमापन में लाता हूँ तथा इस समिति की अस्तित्वों के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अन्तर्गत श्री नितेन्द्र तेकाम, सहकारिता विस्तार अधिकारी, विकासखण्ड मर्वई को परिसमापक नियुक्त करता हूँ साथ ही यह भी आदेशित करता हूँ कि धारा-71 के अन्तर्गत परि. की समस्त कार्यवाही पूर्ण कर अंतिम प्रतिवेदन आदेश जारी करने के दिनांक से 3 माह के अन्दर कार्यालय में प्रस्तुत करें।

यह आदेश आज दिनांक 22 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(732-C)

कार्यालयीन पत्र क्रमांक/सपंम/परि./2014/1395/मण्डला, दिनांक 11 जून, 2014 के द्वारा बीज उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, घोटा, विकासखण्ड मर्वई की पंजीयन दिनांक से अकार्यशील होने एवं संस्था की उपविधि अनुसार उद्देश्यों की पूर्ति नहीं कराने के कारण, के कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया जाकर 15 दिवस में समाधानकारक उत्तर चाहा गया था। इसके बाद भी संस्था द्वारा समाधानकारक उत्तर नहीं दिया गया।

निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कारण बताओ सूचना-पत्र का जवाब अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत नहीं किया। अतः समितियों द्वारा समयावधि में उत्तर प्रस्तुत नहीं करने से ऐसा प्रतीत होता है, कि इस संस्था के भविष्य में भी कार्यशील होने की कोई सम्भावना नहीं है। अतः मेरे मत से इस संस्था को परिसमापन में लाना आवश्यक हो गया है।

अतएव मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-डी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त पंजीयक सहकारी समितियाँ मध्यप्रदेश भोपाल की शक्तियाँ जो मुझ में वेष्ठित हैं का प्रयोग करते हुये मैं, के. सी. अग्रवाल, सहायक रजिस्ट्रार, सहकारी संस्थाएं, मण्डला, उपरोक्त कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सोसायटीज अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत बीज उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, घोटा, पंजीयन क्रमांक 1057, दिनांक 01 मार्च, 2014 को परिसमापन में लाता हूँ तथा इस समिति की अस्तित्वों के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अन्तर्गत श्री नितेन्द्र तेकाम, सहकारिता विस्तार अधिकारी, विकासखण्ड मर्वई को परिसमापक नियुक्त करता हूँ साथ ही यह भी आदेशित करता हूँ कि धारा-71 के अन्तर्गत परि. की समस्त कार्यवाही पूर्ण कर अंतिम प्रतिवेदन आदेश जारी करने के दिनांक से 3 माह के अन्दर कार्यालय में प्रस्तुत करें।

यह आदेश आज दिनांक 22 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(732-D)

कार्यालयीन पत्र क्रमांक/संपर्क/परि./2014/1395/मण्डला, दिनांक 11 जून, 2014 के द्वारा बीज उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, टिकरिया, विकासखण्ड मवई की पंजीयन दिनांक से अकार्यशील होने एवं संस्था की उपविधि अनुसार उद्देश्यों की पूर्ति नहीं कराने के कारण, के कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया जाकर 15 दिवस में समाधानकारक उत्तर चाहा गया था। इसके बाद भी संस्था द्वारा समाधानकारक उत्तर नहीं दिया गया।

निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कारण बताओ सूचना-पत्र का जवाब अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत नहीं किया। अतः समितियों द्वारा समयावधि में उत्तर प्रस्तुत नहीं करने से ऐसा प्रतीत होता है, कि इस संस्था के भविष्य में भी कार्यशील होने की कोई सम्भावना नहीं है। अतः मेरे मत से इस संस्था को परिसमापन में लाना आवश्यक हो गया है।

अतएव मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-डी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त पंजीयक सहकारी समितियाँ मध्यप्रदेश भोपाल की शक्तियाँ जो मुझ में वेष्ठित हैं का प्रयोग करते हुये मैं, के. सी. अग्रवाल, सहायक रजिस्ट्रार, सहकारी संस्थाएं, मण्डला, उपरोक्त कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सोसायटीज अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत बीज उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, टिकरिया, पंजीयन क्रमांक 1073, दिनांक 01 मार्च, 2014 को परिसमापन में लाता हूँ तथा इस समिति की अस्तित्वों के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अन्तर्गत श्री नितेन्द्र तेकाम, सहकारिता विस्तार अधिकारी, विकासखण्ड मवई को परिसमापक नियुक्त करता हूँ साथ ही यह भी आदेशित करता हूँ कि धारा-71 के अन्तर्गत परि. की समस्त कार्यवाही पूर्ण कर अंतिम प्रतिवेदन आदेश जारी करने के दिनांक से 3 माह के अन्दर कार्यालय में प्रस्तुत करें।

यह आदेश आज दिनांक 22 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(732-E)

कार्यालयीन पत्र क्रमांक/संपर्क/परि./2014/1395/मण्डला, दिनांक 11 जून, 2014 के द्वारा बीज उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, जामगांव, विकासखण्ड मवई की पंजीयन दिनांक से अकार्यशील होने एवं संस्था की उपविधि अनुसार उद्देश्यों की पूर्ति नहीं कराने के कारण, के कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया जाकर 15 दिवस में समाधानकारक उत्तर चाहा गया था। इसके बाद भी संस्था द्वारा समाधानकारक उत्तर नहीं दिया गया।

निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कारण बताओ सूचना-पत्र का जवाब अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत नहीं किया। अतः समितियों द्वारा समयावधि में उत्तर प्रस्तुत नहीं करने से ऐसा प्रतीत होता है, कि इस संस्था के भविष्य में भी कार्यशील होने की कोई सम्भावना नहीं है। अतः मेरे मत से इस संस्था को परिसमापन में लाना आवश्यक हो गया है।

अतएव मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-डी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त पंजीयक सहकारी समितियाँ मध्यप्रदेश भोपाल की शक्तियाँ जो मुझ में वेष्ठित हैं का प्रयोग करते हुये मैं, के. सी. अग्रवाल, सहायक रजिस्ट्रार, सहकारी संस्थाएं, मण्डला, उपरोक्त कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सोसायटीज अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत बीज उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, जामगांव, पंजीयन क्रमांक 1070, दिनांक 01 मार्च, 2014 को परिसमापन में लाता हूँ तथा इस समिति की अस्तित्वों के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अन्तर्गत श्री नितेन्द्र तेकाम, सहकारिता विस्तार अधिकारी, विकासखण्ड मवई को परिसमापक नियुक्त करता हूँ साथ ही यह भी आदेशित करता हूँ कि धारा-71 के अन्तर्गत परि. की समस्त कार्यवाही पूर्ण कर अंतिम प्रतिवेदन आदेश जारी करने के दिनांक से 3 माह के अन्दर कार्यालय में प्रस्तुत करें।

यह आदेश आज दिनांक 22 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(732-F)

कार्यालयीन पत्र क्रमांक/संपर्क/परि./2014/1395/मण्डला, दिनांक 11 जून, 2014 के द्वारा बीज उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, मझगांव, विकासखण्ड मवई की पंजीयन दिनांक से अकार्यशील होने एवं संस्था की उपविधि अनुसार उद्देश्यों की पूर्ति नहीं कराने के कारण, के कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया जाकर 15 दिवस में समाधानकारक उत्तर चाहा गया था। इसके बाद भी संस्था द्वारा समाधानकारक उत्तर नहीं दिया गया।

निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कारण बताओ सूचना-पत्र का जवाब अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत नहीं किया। अतः समितियों द्वारा समयावधि में उत्तर प्रस्तुत नहीं करने से ऐसा प्रतीत होता है, कि इस संस्था के भविष्य में भी कार्यशील होने की कोई सम्भावना नहीं है। अतः मेरे मत से इस संस्था को परिसमापन में लाना आवश्यक हो गया है।

अतएव मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-डी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त पंजीयक सहकारी समितियाँ मध्यप्रदेश भोपाल की शक्तियाँ जो मुझ में वेष्ठित हैं का प्रयोग करते हुये मैं, के. सी. अग्रवाल, सहायक रजिस्ट्रार,

सहकारी संस्थाएं, मण्डला, उपरोक्त कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सोसायटीज अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत बीज उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, मझगांव, पंजीयन क्रमांक 1063, दिनांक 01 मार्च, 2014 को परिसमापन में लाता हूँ तथा इस समिति की अस्तित्वों के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अन्तर्गत श्री नितेन्द्र तेकाम, सहकारिता विस्तार अधिकारी, विकासखण्ड मवई को परिसमापक नियुक्त करता हूँ साथ ही यह भी आदेशित करता हूँ कि धारा-71 के अन्तर्गत परि. की समस्त कार्यवाही पूर्ण कर अंतिम प्रतिवेदन आदेश जारी करने के दिनांक से 3 माह के अन्दर कार्यालय में प्रस्तुत करें।

यह आदेश आज दिनांक 22 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(732-G)

कार्यालयीन पत्र क्रमांक/संपर्क/परि./2014/1395/मण्डला, दिनांक 11 जून, 2014 के द्वारा बीज उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, बहारमुण्डापोडी, विकासखण्ड मवई की पंजीयन दिनांक से अकार्यशील होने एवं संस्था की उपविधि अनुसार उद्देश्यों की पूर्ति नहीं कराने के कारण, के कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया जाकर 15 दिवस में समाधानकारक उत्तर चाहा गया था। इसके बाद भी संस्था द्वारा समाधानकारक उत्तर नहीं दिया गया।

निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कारण बताओ सूचना-पत्र का जवाब अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत नहीं किया। अतः समितियों द्वारा समयावधि में उत्तर प्रस्तुत नहीं करने से ऐसा प्रतीत होता है, कि इस संस्था के भविष्य में भी कार्यशील होने की कोई सम्भावना नहीं है। अतः मेरे मत से इस संस्था को परिसमापन में लाना आवश्यक हो गया है।

अतएव मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-डी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त पंजीयक सहकारी समितियाँ मध्यप्रदेश भोपाल की शक्तियाँ जो मुझ में वेचित हैं का प्रयोग करते हुये मैं, के. सी. अग्रवाल, सहायक रजिस्ट्रार, सहकारी संस्थाएं, मण्डला, उपरोक्त कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सोसायटीज अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत बीज उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, बहारमुण्डापोडी, पंजीयन क्रमांक 1080, दिनांक 01 मार्च, 2014 को परिसमापन में लाता हूँ तथा इस समिति की अस्तित्वों के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अन्तर्गत श्री नितेन्द्र तेकाम, सहकारिता विस्तार अधिकारी, विकासखण्ड मवई को परिसमापक नियुक्त करता हूँ साथ ही यह भी आदेशित करता हूँ कि धारा-71 के अन्तर्गत परि. की समस्त कार्यवाही पूर्ण कर अंतिम प्रतिवेदन आदेश जारी करने के दिनांक से 3 माह के अन्दर कार्यालय में प्रस्तुत करें।

यह आदेश आज दिनांक 22 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(732-H)

कार्यालयीन पत्र क्रमांक/संपर्क/परि./2014/1395/मण्डला, दिनांक 11 जून, 2014 के द्वारा बीज उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, छपरतला, विकासखण्ड मवई की पंजीयन दिनांक से अकार्यशील होने एवं संस्था की उपविधि अनुसार उद्देश्यों की पूर्ति नहीं कराने के कारण, के कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया जाकर 15 दिवस में समाधानकारक उत्तर चाहा गया था। इसके बाद भी संस्था द्वारा समाधानकारक उत्तर नहीं दिया गया।

निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कारण बताओ सूचना-पत्र का जवाब अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत नहीं किया। अतः समितियों द्वारा समयावधि में उत्तर प्रस्तुत नहीं करने से ऐसा प्रतीत होता है, कि इस संस्था के भविष्य में भी कार्यशील होने की कोई सम्भावना नहीं है। अतः मेरे मत से इस संस्था को परिसमापन में लाना आवश्यक हो गया है।

अतएव मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-डी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त पंजीयक सहकारी समितियाँ मध्यप्रदेश भोपाल की शक्तियाँ जो मुझ में वेचित हैं का प्रयोग करते हुये मैं, के. सी. अग्रवाल, सहायक रजिस्ट्रार, सहकारी संस्थाएं, मण्डला, उपरोक्त कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सोसायटीज अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत बीज उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, छपरतला, पंजीयन क्रमांक 1051, दिनांक 01 मार्च, 2014 को परिसमापन में लाता हूँ तथा इस समिति की अस्तित्वों के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अन्तर्गत श्री नितेन्द्र तेकाम, सहकारिता विस्तार अधिकारी, विकासखण्ड मवई को परिसमापक नियुक्त करता हूँ साथ ही यह भी आदेशित करता हूँ कि धारा-71 के अन्तर्गत परि. की समस्त कार्यवाही पूर्ण कर अंतिम प्रतिवेदन आदेश जारी करने के दिनांक से 3 माह के अन्दर कार्यालय में प्रस्तुत करें।

यह आदेश आज दिनांक 22 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(732-I)

कार्यालयीन पत्र क्रमांक/संपर्क/परि./2014/1395/मण्डला, दिनांक 11 जून, 2014 के द्वारा बीज उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, मोतीनाला, विकासखण्ड मर्वई की पंजीयन दिनांक से अकार्यशील होने एवं संस्था की उपविधि अनुसार उद्देश्यों की पूर्ति नहीं कराने के कारण, के कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया जाकर 15 दिवस में समाधानकारक उत्तर चाहा गया था। इसके बाद भी संस्था द्वारा समाधानकारक उत्तर नहीं दिया गया।

निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कारण बताओ सूचना-पत्र का जवाब अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत नहीं किया। अतः समितियों द्वारा समयावधि में उत्तर प्रस्तुत नहीं करने से ऐसा प्रतीत होता है, कि इस संस्था के भविष्य में भी कार्यशील होने की कोई सम्भावना नहीं है। अतः मेरे मत से इस संस्था को परिसमापन में लाना आवश्यक हो गया है।

अतएव मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-डी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त पंजीयक सहकारी समितियाँ मध्यप्रदेश भोपाल की शक्तियाँ जो मुझ में वेष्ठित हैं का प्रयोग करते हुये मैं, के. सी. अग्रवाल, सहायक रजिस्ट्रार, सहकारी संस्थाएं, मण्डला, उपरोक्त कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सोसायटीज अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत बीज उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, मोतीनाला, पंजीयन क्रमांक 1081, दिनांक 01 मार्च, 2014 को परिसमापन में लाता हूँ तथा इस समिति की अस्तित्वों के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अन्तर्गत श्री नितेन्द्र तेकाम, सहकारिता विस्तार अधिकारी, विकासखण्ड मर्वई को परिसमापक नियुक्त करता हूँ साथ ही यह भी आदेशित करता हूँ कि धारा-71 के अन्तर्गत परि. की समस्त कार्यवाही पूर्ण कर अंतिम प्रतिवेदन आदेश जारी करने के दिनांक से 3 माह के अन्दर कार्यालय में प्रस्तुत करें।

यह आदेश आज दिनांक 22 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(732-J)

कार्यालयीन पत्र क्रमांक/संपर्क/परि./2014/1395/मण्डला, दिनांक 11 जून, 2014 के द्वारा बीज उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, खलौड़ी, विकासखण्ड मर्वई की पंजीयन दिनांक से अकार्यशील होने एवं संस्था की उपविधि अनुसार उद्देश्यों की पूर्ति नहीं कराने के कारण, के कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया जाकर 15 दिवस में समाधानकारक उत्तर चाहा गया था। इसके बाद भी संस्था द्वारा समाधानकारक उत्तर नहीं दिया गया।

निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कारण बताओ सूचना-पत्र का जवाब अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत नहीं किया। अतः समितियों द्वारा समयावधि में उत्तर प्रस्तुत नहीं करने से ऐसा प्रतीत होता है, कि इस संस्था के भविष्य में भी कार्यशील होने की कोई सम्भावना नहीं है। अतः मेरे मत से इस संस्था को परिसमापन में लाना आवश्यक हो गया है।

अतएव मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-डी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त पंजीयक सहकारी समितियाँ मध्यप्रदेश भोपाल की शक्तियाँ जो मुझ में वेष्ठित हैं का प्रयोग करते हुये मैं, के. सी. अग्रवाल, सहायक रजिस्ट्रार, सहकारी संस्थाएं, मण्डला, उपरोक्त कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सोसायटीज अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत बीज उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, खलौड़ी, पंजीयन क्रमांक 1061, दिनांक 01 मार्च, 2014 को परिसमापन में लाता हूँ तथा इस समिति की अस्तित्वों के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अन्तर्गत श्री नितेन्द्र तेकाम, सहकारिता विस्तार अधिकारी, विकासखण्ड मर्वई को परिसमापक नियुक्त करता हूँ साथ ही यह भी आदेशित करता हूँ कि धारा-71 के अन्तर्गत परि. की समस्त कार्यवाही पूर्ण कर अंतिम प्रतिवेदन आदेश जारी करने के दिनांक से 3 माह के अन्दर कार्यालय में प्रस्तुत करें।

यह आदेश आज दिनांक 22 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(732-K)

कार्यालयीन पत्र क्रमांक/संपर्क/परि./2014/1395/मण्डला, दिनांक 11 जून, 2014 के द्वारा बीज उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, इन्द्री, विकासखण्ड मर्वई की पंजीयन दिनांक से अकार्यशील होने एवं संस्था की उपविधि अनुसार उद्देश्यों की पूर्ति नहीं कराने के कारण, के कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया जाकर 15 दिवस में समाधानकारक उत्तर चाहा गया था। इसके बाद भी संस्था द्वारा समाधानकारक उत्तर नहीं दिया गया।

निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कारण बताओ सूचना-पत्र का जवाब अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत नहीं किया। अतः समितियों द्वारा समयावधि में उत्तर प्रस्तुत नहीं करने से ऐसा प्रतीत होता है, कि इस संस्था के भविष्य में भी कार्यशील होने की कोई सम्भावना नहीं है। अतः मेरे मत से इस संस्था को परिसमापन में लाना आवश्यक हो गया है।

अतएव मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-डी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त पंजीयक सहकारी समितियाँ मध्यप्रदेश भोपाल की शक्तियाँ जो मुझ में वेष्ठित हैं का प्रयोग करते हुये मैं, के. सी. अग्रवाल, सहायक रजिस्ट्रार, सहकारी संस्थाएं, मण्डला, उपरोक्त कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सोसायटीज अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत बीज उत्पादक

सहकारी समिति मर्यादित, इन्द्री, पंजीयन क्रमांक 1060, दिनांक 01 मार्च, 2014 को परिसमापन में लाता हूँ तथा इस समिति की अस्तित्वों के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अन्तर्गत श्री नितेन्द्र तेकाम, सहकारिता विस्तार अधिकारी, विकासखण्ड मवई को परिसमापक नियुक्त करता हूँ साथ ही यह भी आदेशित करता हूँ कि धारा-71 के अन्तर्गत परि. की समस्त कार्यवाही पूर्ण कर अंतिम प्रतिवेदन आदेश जारी करने के दिनांक से 3 माह के अन्दर कार्यालय में प्रस्तुत करें।

यह आदेश आज दिनांक 22 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(732-L)

कार्यालयीन पत्र क्रमांक/संपर्क/परि./2014/1395/मण्डला, दिनांक 11 जून, 2014 के द्वारा बीज उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, मवई, विकासखण्ड मवई की पंजीयन दिनांक से अकार्यशील होने एवं संस्था की उपविधि अनुसार उद्देश्यों की पूर्ति नहीं कराने के कारण, के कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया जाकर 15 दिवस में समाधानकारक उत्तर चाहा गया था। इसके बाद भी संस्था द्वारा समाधानकारक उत्तर नहीं दिया गया।

निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कारण बताओ सूचना-पत्र का जवाब अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत नहीं किया। अतः समितियों द्वारा समयावधि में उत्तर प्रस्तुत नहीं करने से ऐसा प्रतीत होता है, कि इस संस्था के भविष्य में भी कार्यशील होने की कोई सम्भावना नहीं है। अतः मेरे मत से इस संस्था को परिसमापन में लाना आवश्यक हो गया है।

अतएव मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-डी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त पंजीयक सहकारी समितियाँ मध्यप्रदेश भोपाल की शक्तियाँ जो मुझ में वेष्ठित हैं का प्रयोग करते हुये मैं, के. सी. अग्रवाल, सहायक रजिस्ट्रार, सहकारी संस्थाएं, मण्डला, उपरोक्त कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सोसायटीज अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत बीज उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, मवई, पंजीयन क्रमांक 1086, दिनांक 01 मार्च, 2014 को परिसमापन में लाता हूँ तथा इस समिति की अस्तित्वों के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अन्तर्गत श्री नितेन्द्र तेकाम, सहकारिता विस्तार अधिकारी, विकासखण्ड मवई को परिसमापक नियुक्त करता हूँ साथ ही यह भी आदेशित करता हूँ कि धारा-71 के अन्तर्गत परि. की समस्त कार्यवाही पूर्ण कर अंतिम प्रतिवेदन आदेश जारी करने के दिनांक से 3 माह के अन्दर कार्यालय में प्रस्तुत करें।

यह आदेश आज दिनांक 22 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(732-M)

कार्यालयीन पत्र क्रमांक/संपर्क/परि./2014/1395/मण्डला, दिनांक 11 जून, 2014 के द्वारा बीज उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, भिमौरी, विकासखण्ड मवई की पंजीयन दिनांक से अकार्यशील होने एवं संस्था की उपविधि अनुसार उद्देश्यों की पूर्ति नहीं कराने के कारण, के कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया जाकर 15 दिवस में समाधानकारक उत्तर चाहा गया था। इसके बाद भी संस्था द्वारा समाधानकारक उत्तर नहीं दिया गया।

निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कारण बताओ सूचना-पत्र का जवाब अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत नहीं किया। अतः समितियों द्वारा समयावधि में उत्तर प्रस्तुत नहीं करने से ऐसा प्रतीत होता है, कि इस संस्था के भविष्य में भी कार्यशील होने की कोई सम्भावना नहीं है। अतः मेरे मत से इस संस्था को परिसमापन में लाना आवश्यक हो गया है।

अतएव मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-डी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त पंजीयक सहकारी समितियाँ मध्यप्रदेश भोपाल की शक्तियाँ जो मुझ में वेष्ठित हैं का प्रयोग करते हुये मैं, के. सी. अग्रवाल, सहायक रजिस्ट्रार, सहकारी संस्थाएं, मण्डला, उपरोक्त कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सोसायटीज अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत बीज उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, भिमौरी, पंजीयन क्रमांक 1102, दिनांक 01 मार्च, 2014 को परिसमापन में लाता हूँ तथा इस समिति की अस्तित्वों के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अन्तर्गत श्री नितेन्द्र तेकाम, सहकारिता विस्तार अधिकारी, विकासखण्ड मवई को परिसमापक नियुक्त करता हूँ साथ ही यह भी आदेशित करता हूँ कि धारा-71 के अन्तर्गत परि. की समस्त कार्यवाही पूर्ण कर अंतिम प्रतिवेदन आदेश जारी करने के दिनांक से 3 माह के अन्दर कार्यालय में प्रस्तुत करें।

यह आदेश आज दिनांक 22 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(732-N)

कार्यालयीन पत्र क्रमांक/संपर्क/परि./2014/1395/मण्डला, दिनांक 11 जून, 2014 के द्वारा बीज उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, भीमडोंगरी, विकासखण्ड मवई की पंजीयन दिनांक से अकार्यशील होने एवं संस्था की उपविधि अनुसार उद्देश्यों की पूर्ति नहीं कराने के कारण, के कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया जाकर 15 दिवस में समाधानकारक उत्तर चाहा गया था। इसके बाद भी संस्था द्वारा समाधानकारक उत्तर नहीं दिया गया।

निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कारण बताओ सूचना-पत्र का जवाब अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत नहीं किया। अतः समितियों द्वारा

समयावधि में उत्तर प्रस्तुत नहीं करने से ऐसा प्रतीत होता है, कि इस संस्था के भविष्य में भी कार्यशील होने की कोई सम्भावना नहीं है। अतः मेरे मत से इस संस्था को परिसमापन में लाना आवश्यक हो गया है।

अतएव मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-डी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त पंजीयक सहकारी समितियाँ मध्यप्रदेश भोपाल की शक्तियाँ जो मुझ में वेचित हैं का प्रयोग करते हुये मैं, के. सी. अग्रवाल, सहायक रजिस्ट्रार, सहकारी संस्थाएं, मण्डला, उपरोक्त कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सोसायटीज अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत बीज उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, भीमडोंगरी, पंजीयन क्रमांक 1079, दिनांक 01 मार्च, 2014 को परिसमापन में लाता हूँ तथा इस समिति की अस्तित्वों के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अन्तर्गत श्री नितेन्द्र तेकाम, सहकारिता विस्तार अधिकारी, विकासखण्ड मवई को परिसमापक नियुक्त करता हूँ साथ ही यह भी आदेशित करता हूँ कि धारा-71 के अन्तर्गत परि. की समस्त कार्यवाही पूर्ण कर अंतिम प्रतिवेदन आदेश जारी करने के दिनांक से 3 माह के अन्दर कार्यालय में प्रस्तुत करें।

यह आदेश आज दिनांक 22 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(732-O)

कार्यालयीन पत्र क्रमांक/सपंम/परि./2014/1395/मण्डला, दिनांक 11 जून, 2014 के द्वारा बीज उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, नेवसा, विकासखण्ड मवई की पंजीयन दिनांक से अकार्यशील होने एवं संस्था की उपविधि अनुसार उद्देश्यों की पूर्ति नहीं करने के कारण, के कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया जाकर 15 दिवस में समाधानकारक उत्तर चाहा गया था। इसके बाद भी संस्था द्वारा समाधानकारक उत्तर नहीं दिया गया।

निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कारण बताओ सूचना-पत्र का जवाब अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत नहीं किया। अतः समितियों द्वारा समयावधि में उत्तर प्रस्तुत नहीं करने से ऐसा प्रतीत होता है, कि इस संस्था के भविष्य में भी कार्यशील होने की कोई सम्भावना नहीं है। अतः मेरे मत से इस संस्था को परिसमापन में लाना आवश्यक हो गया है।

अतएव मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-डी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त पंजीयक सहकारी समितियाँ मध्यप्रदेश भोपाल की शक्तियाँ जो मुझ में वेचित हैं का प्रयोग करते हुये मैं, के. सी. अग्रवाल, सहायक रजिस्ट्रार, सहकारी संस्थाएं, मण्डला, उपरोक्त कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सोसायटीज अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत बीज उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, नेवसा, पंजीयन क्रमांक 1072, दिनांक 01 मार्च, 2014 को परिसमापन में लाता हूँ तथा इस समिति की अस्तित्वों के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अन्तर्गत श्री नितेन्द्र तेकाम, सहकारिता विस्तार अधिकारी, विकासखण्ड मवई को परिसमापक नियुक्त करता हूँ साथ ही यह भी आदेशित करता हूँ कि धारा-71 के अन्तर्गत परि. की समस्त कार्यवाही पूर्ण कर अंतिम प्रतिवेदन आदेश जारी करने के दिनांक से 3 माह के अन्दर कार्यालय में प्रस्तुत करें।

यह आदेश आज दिनांक 22 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(732-P)

कार्यालयीन पत्र क्रमांक/सपंम/परि./2014/1395/मण्डला, दिनांक 11 जून, 2014 के द्वारा बीज उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, बसनी, विकासखण्ड मवई की पंजीयन दिनांक से अकार्यशील होने एवं संस्था की उपविधि अनुसार उद्देश्यों की पूर्ति नहीं करने के कारण, के कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया जाकर 15 दिवस में समाधानकारक उत्तर चाहा गया था। इसके बाद भी संस्था द्वारा समाधानकारक उत्तर नहीं दिया गया।

निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कारण बताओ सूचना-पत्र का जवाब अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत नहीं किया। अतः समितियों द्वारा समयावधि में उत्तर प्रस्तुत नहीं करने से ऐसा प्रतीत होता है, कि इस संस्था के भविष्य में भी कार्यशील होने की कोई सम्भावना नहीं है। अतः मेरे मत से इस संस्था को परिसमापन में लाना आवश्यक हो गया है।

अतएव मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-डी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त पंजीयक सहकारी समितियाँ मध्यप्रदेश भोपाल की शक्तियाँ जो मुझ में वेचित हैं का प्रयोग करते हुये मैं, के. सी. अग्रवाल, सहायक रजिस्ट्रार, सहकारी संस्थाएं, मण्डला, उपरोक्त कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सोसायटीज अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत बीज उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, बसनी, पंजीयन क्रमांक 1058, दिनांक 01 मार्च, 2014 को परिसमापन में लाता हूँ तथा इस समिति की अस्तित्वों के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अन्तर्गत श्री नितेन्द्र तेकाम, सहकारिता विस्तार अधिकारी, विकासखण्ड मवई को परिसमापक नियुक्त करता हूँ साथ ही यह भी आदेशित करता हूँ कि धारा-71 के अन्तर्गत परि. की समस्त कार्यवाही पूर्ण कर अंतिम प्रतिवेदन आदेश जारी करने के दिनांक से 3 माह के अन्दर कार्यालय में प्रस्तुत करें।

यह आदेश आज दिनांक 22 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(732-Q)

कार्यालयीन पत्र क्रमांक/संपादन/परि./2014/1395/मण्डला, दिनांक 11 जून, 2014 के द्वारा बीज उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, लालपुर, विकासखण्ड मर्वई की पंजीयन दिनांक से अकार्यशील होने एवं संस्था की उपविधि अनुसार उद्देश्यों की पूर्ति नहीं कराने के कारण, के कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया जाकर 15 दिवस में समाधानकारक उत्तर चाहा गया था। इसके बाद भी संस्था द्वारा समाधानकारक उत्तर नहीं दिया गया।

निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कारण बताओ सूचना-पत्र का जवाब अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत नहीं किया। अतः समितियों द्वारा समयावधि में उत्तर प्रस्तुत नहीं करने से ऐसा प्रतीत होता है, कि इस संस्था के भविष्य में भी कार्यशील होने की कोई सम्भावना नहीं है। अतः मेरे मत से इस संस्था को परिसमापन में लाना आवश्यक हो गया है।

अतएव मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-डी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त पंजीयक सहकारी समितियाँ मध्यप्रदेश भोपाल की शक्तियाँ जो मुझ में वेष्ठित हैं का प्रयोग करते हुये मैं, के. सी. अग्रवाल, सहायक रजिस्ट्रार, सहकारी संस्थाएं, मण्डला, उपरोक्त कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सोसायटीज अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत बीज उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, लालपुर, पंजीयन क्रमांक 1094, दिनांक 01 मार्च, 2014 को परिसमापन में लाता हूँ तथा इस समिति की अस्तित्वों के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अन्तर्गत श्री नितेन्द्र तेकाम, सहकारिता विस्तार अधिकारी, विकासखण्ड मर्वई को परिसमापक नियुक्त करता हूँ साथ ही यह भी आदेशित करता हूँ कि धारा-71 के अन्तर्गत परि. की समस्त कार्यवाही पूर्ण कर अंतिम प्रतिवेदन आदेश जारी करने के दिनांक से 3 माह के अन्दर कार्यालय में प्रस्तुत करें।

यह आदेश आज दिनांक 22 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(732-R)

कार्यालयीन पत्र क्रमांक/संपादन/परि./2014/1395/मण्डला, दिनांक 11 जून, 2014 के द्वारा बीज उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, बादरबाड़ी, विकासखण्ड मर्वई की पंजीयन दिनांक से अकार्यशील होने एवं संस्था की उपविधि अनुसार उद्देश्यों की पूर्ति नहीं कराने के कारण, के कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया जाकर 15 दिवस में समाधानकारक उत्तर चाहा गया था। इसके बाद भी संस्था द्वारा समाधानकारक उत्तर नहीं दिया गया।

निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कारण बताओ सूचना-पत्र का जवाब अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत नहीं किया। अतः समितियों द्वारा समयावधि में उत्तर प्रस्तुत नहीं करने से ऐसा प्रतीत होता है, कि इस संस्था के भविष्य में भी कार्यशील होने की कोई सम्भावना नहीं है। अतः मेरे मत से इस संस्था को परिसमापन में लाना आवश्यक हो गया है।

अतएव मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-डी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त पंजीयक सहकारी समितियाँ मध्यप्रदेश भोपाल की शक्तियाँ जो मुझ में वेष्ठित हैं का प्रयोग करते हुये मैं, के. सी. अग्रवाल, सहायक रजिस्ट्रार, सहकारी संस्थाएं, मण्डला, उपरोक्त कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सोसायटीज अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत बीज उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, बादरबाड़ी, पंजीयन क्रमांक 1075, दिनांक 01 मार्च, 2014 को परिसमापन में लाता हूँ तथा इस समिति की अस्तित्वों के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अन्तर्गत श्री नितेन्द्र तेकाम, सहकारिता विस्तार अधिकारी, विकासखण्ड मर्वई को परिसमापक नियुक्त करता हूँ साथ ही यह भी आदेशित करता हूँ कि धारा-71 के अन्तर्गत परि. की समस्त कार्यवाही पूर्ण कर अंतिम प्रतिवेदन आदेश जारी करने के दिनांक से 3 माह के अन्दर कार्यालय में प्रस्तुत करें।

यह आदेश आज दिनांक 22 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(732-S)

कार्यालयीन पत्र क्रमांक/संपादन/परि./2014/1395/मण्डला, दिनांक 11 जून, 2014 के द्वारा बीज उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, नरहरांज, विकासखण्ड मर्वई की पंजीयन दिनांक से अकार्यशील होने एवं संस्था की उपविधि अनुसार उद्देश्यों की पूर्ति नहीं कराने के कारण, के कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया जाकर 15 दिवस में समाधानकारक उत्तर चाहा गया था। इसके बाद भी संस्था द्वारा समाधानकारक उत्तर नहीं दिया गया।

निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कारण बताओ सूचना-पत्र का जवाब अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत नहीं किया। अतः समितियों द्वारा समयावधि में उत्तर प्रस्तुत नहीं करने से ऐसा प्रतीत होता है, कि इस संस्था के भविष्य में भी कार्यशील होने की कोई सम्भावना नहीं है। अतः मेरे मत से इस संस्था को परिसमापन में लाना आवश्यक हो गया है।

अतएव मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-डी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त पंजीयक सहकारी समितियाँ मध्यप्रदेश भोपाल की शक्तियाँ जो मुझ में वेचित हैं का प्रयोग करते हुये मैं, के. सी. अग्रवाल, सहायक रजिस्ट्रार, सहकारी संस्थाएं, मण्डला, उपरोक्त कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सोसायटीज अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत बीज उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, नरहरगंज, पंजीयन क्रमांक 1055, दिनांक 01 मार्च, 2014 को परिसमापन में लाता हूँ तथा इस समिति की अस्तित्वों के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अन्तर्गत श्री नितेन्द्र तेकाम, सहकारिता विस्तार अधिकारी, विकासखण्ड मर्वई को परिसमापक नियुक्त करता हूँ साथ ही यह भी आदेशित करता हूँ कि धारा-71 के अन्तर्गत परि. की समस्त कार्यवाही पूर्ण कर अंतिम प्रतिवेदन आदेश जारी करने के दिनांक से 3 माह के अन्दर कार्यालय में प्रस्तुत करें।

यह आदेश आज दिनांक 22 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(732-T)

कार्यालयीन पत्र क्रमांक/संपं/परि./2014/1395/मण्डला, दिनांक 11 जून, 2014 के द्वारा बीज उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, अमवार, विकासखण्ड मर्वई की पंजीयन दिनांक से अकार्यशील होने एवं संस्था की उपविधि अनुसार उद्देश्यों की पूर्ति नहीं कराने के कारण, के कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया जाकर 15 दिवस में समाधानकारक उत्तर चाहा गया था। इसके बाद भी संस्था द्वारा समाधानकारक उत्तर नहीं दिया गया।

निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कारण बताओ सूचना-पत्र का जवाब अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत नहीं किया। अतः समितियों द्वारा समयावधि में उत्तर प्रस्तुत नहीं करने से ऐसा प्रतीत होता है, कि इस संस्था के भविष्य में भी कार्यशील होने की कोई सम्भावना नहीं है। अतः मेरे मत से इस संस्था को परिसमापन में लाना आवश्यक हो गया है।

अतएव मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-डी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त पंजीयक सहकारी समितियाँ मध्यप्रदेश भोपाल की शक्तियाँ जो मुझ में वेचित हैं का प्रयोग करते हुये मैं, के. सी. अग्रवाल, सहायक रजिस्ट्रार, सहकारी संस्थाएं, मण्डला, उपरोक्त कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सोसायटीज अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत बीज उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, अमवार, पंजीयन क्रमांक 1069, दिनांक 01 मार्च, 2014 को परिसमापन में लाता हूँ तथा इस समिति की अस्तित्वों के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अन्तर्गत श्री नितेन्द्र तेकाम, सहकारिता विस्तार अधिकारी, विकासखण्ड मर्वई को परिसमापक नियुक्त करता हूँ साथ ही यह भी आदेशित करता हूँ कि धारा-71 के अन्तर्गत परि. की समस्त कार्यवाही पूर्ण कर अंतिम प्रतिवेदन आदेश जारी करने के दिनांक से 3 माह के अन्दर कार्यालय में प्रस्तुत करें।

यह आदेश आज दिनांक 22 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(732-U)

कार्यालयीन पत्र क्रमांक/संपं/परि./2014/1395/मण्डला, दिनांक 11 जून, 2014 के द्वारा बीज उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, मनोरी, विकासखण्ड मर्वई की पंजीयन दिनांक से अकार्यशील होने एवं संस्था की उपविधि अनुसार उद्देश्यों की पूर्ति नहीं कराने के कारण, के कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया जाकर 15 दिवस में समाधानकारक उत्तर चाहा गया था। इसके बाद भी संस्था द्वारा समाधानकारक उत्तर नहीं दिया गया।

निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कारण बताओ सूचना-पत्र का जवाब अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत नहीं किया। अतः समितियों द्वारा समयावधि में उत्तर प्रस्तुत नहीं करने से ऐसा प्रतीत होता है, कि इस संस्था के भविष्य में भी कार्यशील होने की कोई सम्भावना नहीं है। अतः मेरे मत से इस संस्था को परिसमापन में लाना आवश्यक हो गया है।

अतएव मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-डी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त पंजीयक सहकारी समितियाँ मध्यप्रदेश भोपाल की शक्तियाँ जो मुझ में वेचित हैं का प्रयोग करते हुये मैं, के. सी. अग्रवाल, सहायक रजिस्ट्रार, सहकारी संस्थाएं, मण्डला, उपरोक्त कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सोसायटीज अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अंतर्गत बीज उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, मनोरी, पंजीयन क्रमांक 1076, दिनांक 01 मार्च, 2014 को परिसमापन में लाता हूँ तथा इस समिति की अस्तित्वों के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अन्तर्गत श्री नितेन्द्र तेकाम, सहकारिता विस्तार अधिकारी, विकासखण्ड मर्वई को परिसमापक नियुक्त करता हूँ साथ ही यह भी आदेशित करता हूँ कि धारा-71 के अन्तर्गत परि. की समस्त कार्यवाही पूर्ण कर अंतिम प्रतिवेदन आदेश जारी करने के दिनांक से 3 माह के अन्दर कार्यालय में प्रस्तुत करें।

यह आदेश आज दिनांक 22 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(732-V)

कार्यालयीन पत्र क्रमांक/संपर्क/परि./2014/1395/मण्डला, दिनांक 11 जून, 2014 के द्वारा बीज उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, घुटास, विकासखण्ड मर्वई की पंजीयन दिनांक से अकार्यशील होने एवं संस्था की उपविधि अनुसार उद्देश्यों की पूर्ति नहीं करने के कारण, के कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया जाकर 15 दिवस में समाधानकारक उत्तर चाहा गया था। इसके बाद भी संस्था द्वारा समाधानकारक उत्तर नहीं दिया गया।

निर्धारित समयावधि में संस्था द्वारा कारण बताओ सूचना-पत्र का जवाब अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत नहीं किया। अतः समितियों द्वारा समयावधि में उत्तर प्रस्तुत नहीं करने से ऐसा प्रतीत होता है, कि इस संस्था के भविष्य में भी कार्यशील होने की कोई सम्भावना नहीं है। अतः मेरे मत से इस संस्था को परिसमापन में लाना आवश्यक हो गया है।

अतएव मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक/एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-डी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त पंजीयक सहकारी समितियाँ मध्यप्रदेश भोपाल की शक्तियाँ जो मुझ में वेचित हैं का प्रयोग करते हुये मैं, के. सी. अग्रवाल, सहायक रजिस्ट्रार, सहकारी संस्थाएं, मण्डला, उपरोक्त कारणों के आधार पर मध्यप्रदेश सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत बीज उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, घुटास, पंजीयन क्रमांक 818, दिनांक 01 मार्च, 2014 को परिसमापन में लाता हूँ तथा इस समिति की अस्तित्वों के निराकरण हेतु अधिनियम की धारा-70 (1) के अन्तर्गत श्री नितेन्द्र तेकाम, सहकारिता विस्तार अधिकारी, विकासखण्ड मर्वई को परिसमापक नियुक्त करता हूँ साथ ही यह भी आदेशित करता हूँ कि धारा-71 के अन्तर्गत परि. की समस्त कार्यवाही पूर्ण कर अंतिम प्रतिवेदन आदेश जारी करने के दिनांक से 3 माह के अन्दर कार्यालय में प्रस्तुत करें।

यह आदेश आज दिनांक 22 जुलाई, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(732-W)

दुध उत्पादक सहकारी समिति मर्या., ग्वारा, पंजी क्र. 845, दिनांक 25 अगस्त, 2011, विकासखण्ड मण्डला को कार्यालयीन आदेश क्रमांक/संपर्क/परि./2013/669, दिनांक 31 जुलाई, 2013 के द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकार सहकारिता विस्तार अधिकारी, मण्डला को परिसमापक नियुक्त किया गया था।

परिसमापक द्वारा प्रस्तुत अंतिम प्रतिवेदन दिनांक 01 जून, 2014 से प्रतीत होता है, कि उक्त संस्था में कोई लेनदारियाँ/देनदारियाँ शेष नहीं हैं।

अतः मैं, के. सी. अग्रवाल, सहायक रजिस्ट्रार, सहकारी संस्थाएं, जिला मण्डला मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-डी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त पंजीयक की शक्तियों का प्रयोग करते हुये उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूँ। उक्त संस्था का अस्तित्व दिनांक 14 अगस्त, 2014 निर्गमित निकाय के रूप में नहीं रहेगा।

यह आदेश आज दिनांक 14 अगस्त, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(732-X)

दुध उत्पादक सहकारी समिति मर्या., डेको, पंजी क्र. 844, दिनांक 25 अगस्त, 2011, विकासखण्ड मण्डला को कार्यालयीन आदेश क्रमांक/संपर्क/परि./2013/661, दिनांक 31 जुलाई, 2013 के द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकार सहकारिता विस्तार अधिकारी, मण्डला को परिसमापक नियुक्त किया गया था।

परिसमापक द्वारा प्रस्तुत अंतिम प्रतिवेदन दिनांक 01 जून, 2014 से प्रतीत होता है, कि उक्त संस्था में कोई लेनदारियाँ/देनदारियाँ शेष नहीं हैं।

अतः मैं, के. सी. अग्रवाल, सहायक रजिस्ट्रार, सहकारी संस्थाएं, जिला मण्डला मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-डी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त पंजीयक की शक्तियों का प्रयोग करते हुये उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूँ। उक्त संस्था का अस्तित्व दिनांक 14 अगस्त, 2014 निर्गमित निकाय के रूप में नहीं रहेगा।

यह आदेश आज दिनांक 14 अगस्त, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

के. सी. अग्रवाल,
सहायक रजिस्ट्रार।

(732-Y)



मध्यप्रदेश राजपत्र

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 37]

भोपाल, शुक्रवार, दिनांक 12 सितम्बर 2014-भाद्र 21, शके 1936

भाग 3 (2)

सांख्यकीय सूचनाएं

कार्यालय आयुक्त, भू-अभिलेख, मध्यप्रदेश

मौसम, फसल एवं पशु-स्थिति का साप्ताहिक प्रतिवेदन, सप्ताहान्त बुधवार, दिनांक 14 मई, 2014

1. मौसम एवं वर्षा.—राज्य में इस सप्ताह मौसम शुष्क रहा है तथा राज्य के श्योपुर, सीधी, जबलपुर, मंडला को छोड़कर किसी भी जिले में वर्षा का होना नहीं पाया गया है।

(अ) 01 मि. मी. से 17.4 मि. मी. तक.—तहसील श्योपुर, कराहल (श्योपुर), गोपदबनास (सीधी), जबलपुर (जबलपुर), बिछिया, मंडला, शुघरी (मंडला) में उक्त मि. मी. के अन्तर्गत वर्षा हुई है।

(ब) 17.5 मि. मी. से 34.9 मि. मी. तक.—तहसील सुबासराटप्पा (मंदसौर) में उक्त मि. मी. के अन्तर्गत वर्षा हुई है।

2. जुताई.—जिला मंदसौर, झाबुआ, खरगौन, सीहोर, बैतूल, सिवनी में खरीफ फसलों की जुताई का कार्य कहीं-कहीं चालू है।

3. बोनी.—

4. फसल स्थिति.—

5. कटाई.—जिला दतिया में फसल गेहूँ व जबलपुर में रबी फसलों की कटाई का कार्य कहीं-कहीं चालू है।

6. सिंचाई.—जिला ग्वालियर, शाहडोल, उमरिया, भोपाल, छिन्दवाड़ा में सिंचाई हेतु पानी कहीं-कहीं अपर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है।

7. पशुओं की स्थिति.—राज्य के प्रायः सभी जिलों में पशुओं की स्थिति संतोषप्रद है।

8. चारा.—राज्य के प्रायः सभी जिलों में चारा पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है।

9. बीज.—राज्य के प्रायः सभी जिलों में बीज पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं।

10. खेतिहर श्रमिक.—राज्य के प्रायः सभी जिलों में खेतिहर श्रमिक पर्याप्त संख्या व उचित दर पर उपलब्ध हैं।

मौसम, फसल तथा पशु-स्थिति का सासाहिक सूचना-पत्रक, सप्ताहांत बुधवार, दिनांक 14 मई, 2014

जिला/तहसीलें	1. सप्ताह में हुई वर्षा:- (अ) वर्षा का माप (मि. मी.) में (ब) वर्षा कम है या बहुत अधिक.	2. कृषि कार्यों की प्रगति तथा उन पर वर्षा का प्रभाव:- (अ) प्रारम्भिक जुताई पर. (ब) बोनी पर. (स) रोपाई पर, अगर धन की रोपाई होती हो. (द) खड़ी फसल पर, रोग व कीड़ों के आक्रमण के असर का वर्णन सहित. (य) कटी हुई फसल पर.	3. अन्य असामयिक घटना और उसका फसलों पर प्रभाव. 4. खड़ी फसल का व्यापक रूप से अनुमान, गत वर्ष की तुलना में :- (1) फसल का क्षेत्रफल - (अ) अधिक, समान या कम. (ब) प्रतिशत. (2) फसल की हालत - (अ) सुधरी हुई, समान या बिगड़ी हुई. (ब) प्रतिशत.	5. सिंचाई के लिये पानी (कम अथवा अधिक). 6. पशुओं की हालत तथा चारे की प्राप्ति.	7. बीज की प्राप्ति. 8. कृषि-सम्बन्धी मजदूरों की प्राप्ति.
1	2	3	4	5	6
जिला मुरैना :	मिलीमीटर	2. ..	3. .. 4. (1) .. (2) ..	5. .. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. .. 8. पर्याप्त.
1. अन्बाह 2. पोरसा 3. मुरैना 4. जौरा 5. सबलगढ़ 6. कैलारस				
जिला श्योपुर :	मिलीमीटर	2. ..	3. .. 4. (1) गेहूँ, जौ, चना, राई-सरसों समान. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. .. 8. पर्याप्त.
*जिला भिण्ड :	मिलीमीटर	2. ..	3. .. 4. (1) .. (2) ..	5. .. 6. ..	7. .. 8. ..
1. अटेर 2. भिण्ड 3. गोहद 4. मेहगांव 5. लहार 6. मिहोना 7. रौन				
जिला ग्वालियर :	मिलीमीटर	2. ..	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) गन्ना, मूँगमोठ, तुअर, मूँगफली, तिली अधिक. उड्ड कम. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. अपर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. ग्वालियर 2. डबरा 3. भितरवार 4. घाटीगांव				
जिला दतिया :	मिलीमीटर	2. गेहूँ की कटाई का कार्य चालू है.	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) गेहूँ समान. (2) उपरोक्त फसल समान.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. सेवढ़ा 2. दतिया 3. भाण्डेर				
जिला शिवपुरी :	मिलीमीटर	2. ..	3. .. 4. (1) गेहूँ, गन्ना, चना अधिक. (2) उपरोक्त फसलें सुधरी हुई.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. .. 8. ..
1. शिवपुरी 2. पिछोर 3. खनियाधाना 4. नरवर 5. करैरा 6. कोलारस 7. पोहरी 8. बद्रवास				

1	2	3	4	5	6
*जिला अशोकनगर:	मिलीमीटर	2. ..	3. .. 4. (1) .. (2) ..	5. .. 6. ..	7. .. 8. ..
1. मुंगावली	..				
2. ईसागढ़	..				
3. अशोकनगर	..				
4. चन्द्रेरी	..				
जिला गुना :	मिलीमीटर	2. ..	3. .. 4. (1) गेहूँ, चना समान. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. ..
1. गुना	..				
2. राधौगढ़	..				
3. बमोरी	..				
4. आरोन	..				
5. चाचौड़ा	..				
6. कुम्भराज	..				
जिला टीकमगढ़ :	मिलीमीटर	2. ..	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) .. (2) ..	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. निवाड़ी	..				
2. पृथ्वीपुर	..				
3. जतारा	..				
4. टीकमगढ़	..				
5. बल्देवगढ़	..				
6. पलेरा	..				
6. ओरछा	..				
जिला छतरपुर :	मिलीमीटर	2. ..	3. .. 4. (1) गेहूँ, चना, जौ, अरहर अधिक. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. लौण्डी	..				
2. गौरीहार	..				
3. नौगांव	..				
4. छतरपुर	..				
5. राजनगर	..				
6. बिजावर	..				
7. बड़ामलहरा	..				
8. बकस्वाहा	..				
जिला पन्ना :	मिलीमीटर	2. ..	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) मसूर, अलसी, राई, अरहर, चना, गेहूँ, मटर. (2) ..	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. .. 8. पर्याप्त.
1. अजयगढ़	..				
2. पन्ना	..				
3. गुन्नौर	..				
4. पवई	..				
5. शाहनगर	..				
जिला सागर :	मिलीमीटर	2. ..	3. .. 4. (1) गेहूँ, जौ, चना, मटर, मसूर, तेवड़ा, राई-सरसों, अलसी, आलू, प्याज समान. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. बीना	..				
2. खुरई	..				
3. बण्डा	..				
4. सागर	..				
5. रेहली	..				
6. देवरी	..				
7. गढ़ाकोटा	..				
8. राहतगढ़	..				
9. केसली	..				
10. मालथोन	..				
11. शाहगढ़	..				

1	2	3	4	5	6
जिला दमोह :	मिलीमीटर	2. ..	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) उड़द, मूंग, गन्ना समान. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. हटा	..				
2. बटियागढ़	..				
3. दमोह	..				
4. पथरिया	..				
5. जबेरा	..				
6. तेन्दूखेड़ा	..				
7. पटेरा	..				
*जिला सतना :	मिलीमीटर	2. ..	3. .. 4. (1) .. (2) ..	5. .. 6. ..	7. .. 8. ..
1. रघुराजनगर	..				
2. मझगावां	..				
3. रामपुर-बघेलान	..				
4. नागौद	..				
5. उचेहरा	..				
6. अमरपाटन	..				
7. रामनगर	..				
8. मैहर	..				
जिला रीवा :	मिलीमीटर	2. ..	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) गेहूँ अधिक, चना, मसूर, अलसी, कम. अरहर, जौ समान. (2) ..	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. त्याँथर	..				
2. सिरपौर	..				
3. मऊगंज	..				
4. हनुमना	..				
5. हजूर	..				
6. गुढ़	..				
7. गयपुरकचुलियान	..				
जिला शहडोल :	मिलीमीटर	2. ..	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) गेहूँ मसूर, मटर, चना, राई-सरसों, तिवड़ा कम. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. अपर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. सोहागपुर	..				
2. ब्यौहारी	..				
3. जैसिंहनगर	..				
4. जैतपुर	..				
जिला अनूपपुर :	मिलीमीटर	2. ..	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) .. (2) ..	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. जैतहरी	..				
2. अनूपपुर	..				
3. कोतमा	..				
4. पुष्पराजगढ़	..				
जिला उमरिया :	मिलीमीटर	2. ..	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) .. (2) ..	5. अपर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. बांधवगढ़	..				
2. पाली	..				
3. मानपुर	..				

1	2	3	4	5	6
जिला सीधी :	मिलीमीटर	2. ..	3. .. 4. (1) .. (2) ..	5. .. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. .. 8. ..
1. गोपदवनास	4.4				
2. सिंहावल	..				
3. मझौली	..				
4. कुसमी	..				
5. चुरहट	..				
6. रामपुरनैकिन	..				
जिला सिंगरौली :	मिलीमीटर	2. ..	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) .. (2) ..	5. .. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. .. 8. पर्याप्त.
1. चितरंगी	..				
2. देवसर	..				
3. सिंगरौली	..				
जिला मन्दसौर :	मिलीमीटर	2. जुताई का कार्य चालू है.	3. .. 4. (1) गेहूँ, चना अधिक. शवा समान. (2) ..	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. सुवासरा-टप्पा	18.0				
2. भानपुरा	..				
3. मल्हारगढ़	..				
4. गरोठ	..				
5. मन्दसौर	..				
6. धुन्थडका	..				
7. सीतामऊ	..				
8. शामगढ़	..				
9. संजीत	..				
10. कयामपुर	..				
जिला नीमच :	मिलीमीटर	2. ..	3. .. 4. (1) मक्का, उड़द, सोयाबीन, तिल, मूँगफली, राई-सरसों, मटर, मसूर. (2) ..	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. जावद	..				
2. नीमच	..				
3. मनासा	..				
जिला रतलाम :	मिलीमीटर	2. ..	3. .. 4. (1) .. (2) ..	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. जावरा	..				
2. आलोट	..				
3. सैलाना	..				
4. बाजना	..				
5. पिपलौदा	..				
6. रतलाम	..				
जिला उज्जैन :	मिलीमीटर	2. ..	3. .. 4. (1) .. (2) ..	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. खाचरौद	..				
2. महिदपुर	..				
3. तराना	..				
4. घटिया	..				
5. उज्जैन	..				
6. बड़नगर	..				
7. नागदा	..				
जिला शाजापुर :	मिलीमीटर	2. ..	3. .. 4. (1) .. (2) ..	5. .. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. .. 8. पर्याप्त.
1. बडौद	..				
2. सुसनेर	..				
3. नलखेड़ा	..				
4. आगर	..				
5. शाजापुर	..				
6. मो. बड़ोदिया	..				
7. शुजालपुर	..				
8. कालापीपल	..				
9. गुलाना	..				

1	2	3	4	5	6
जिला देवास :	मिलीमीटर	2. ..	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) चना, अलसी, राई-सरसों अधिक. गेहूँ, मसूर, जौ कम. (2) ..	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. सोनकच्छ	..				
2. टोंकखुर्द	..				
3. देवास	..				
4. बागली	..				
5. कन्नौद	..				
6. खातेगांव	..				
जिला झाबुआ :	मिलीमीटर	2. जुताई का कार्य चालू है.	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) .. (2) ..	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. ..
1. थांदला	..				
2. मेघनगर	..				
3. पेटलावद	..				
4. झाबुआ	..				
5. भामरा	..				
जिला अलीराजपुर :	मिलीमीटर	2. ..	3. .. 4. (1) .. (2) ..	5. .. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. .. 8. पर्याप्त.
1. जोवट	..				
2. अलीराजपुर	..				
3. कट्टीवाडा	..				
4. सोण्डवा	..				
जिला धार :	मिलीमीटर	2. ..	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) गेहूँ, चना, गना अधिक. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. .. 8. पर्याप्त.
1. बदनावर	..				
2. सरदारपुर	..				
3. धार	..				
4. कुक्षी	..				
5. मनावर	..				
6. धरमपुरी	..				
7. गंधवानी	..				
8. डही	..				
जिला इन्दौर :	मिलीमीटर	2. ..	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) .. (2) ..	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. देपालपुर	..				
2. सांवरे	..				
3. इन्दौर	..				
4. महू	..				
(डॉ. अम्बेडकरनगर)					
जिला प. निमाड़ :	मिलीमीटर	2. जुताई का कार्य चालू है.	3. .. 4. (1) ज्वार, मक्का, धान, बाजरा, कपास, मुँगफली, तुअर, गेहूँ, चना, अलसी, राई-सरसों समान. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. बड़वाह	..				
2. महेश्वर	..				
3. सेगांव	..				
4. खरगौन	..				
5. गोगावां	..				
6. कसरावद	..				
7. भगवानपुरा	..				
8. भीकनगांव	..				
9. झिरन्या	..				

1	2	3	4	5	6
जिला बड़वानी :	मिलीमीटर	2. ..	3. .. 4. (1) .. (2) ..	5. .. 6. ..	7. .. 8. ..
1. बड़वानी	..				
2. ठीकरी	..				
3. राजपुर	..				
4. सेंधवा	..				
5. पानसेमल	..				
6. पाटी	..				
7. निवाली	..				
जिला फूर्खनियाड़ :	मिलीमीटर	2. ..	3. .. 4. (1) गेहूँ चना समान. (2) ..	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. खण्डवा	..				
2. पंधाना	..				
3. हरसूद	..				
जिला बुरहानपुर :	मिलीमीटर	2. ..	3. .. 4. (1) .. (2) ..	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. बुरहानपुर	..				
2. खकनार	..				
3. नेपानगर	..				
जिला राजगढ़ :	मिलीमीटर	2. ..	3. .. 4. (1) गेहूँ चना, जौ, सरसों, मसूर अधिक. गन्ना समान. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. जीरापुर	..				
2. खिलचीपुर	..				
3. राजगढ़	..				
4. ब्यावरा	..				
5. सारंगपुर	..				
6. नरसिंहगढ़	..				
जिला विदिशा :	मिलीमीटर	2. ..	3. .. 4. (1) गेहूँ, चना, मसूर, अलसी, लाख बिगड़ी हुई. (2) उपरोक्त फसलें बिगड़ी हुई.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. लटेरी	..				
2. सिरोंज	..				
3. कुरवाई	..				
4. बासौदा	..				
5. नटेरन	..				
6. विदिशा	..				
7. ग्यारसपुर	..				
जिला भोपाल :	मिलीमीटर	2. ..	3. .. 4. (1) .. (2) ..	5. अपर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. बैरसिया	..				
2. हुजूर	..				
जिला सीहोर :	मिलीमीटर	2. जुताई का कार्य चालू है.	3. .. 4. (1) .. (2) ..	5. .. 6. संतोषप्रद.	7. .. 8. पर्याप्त.
1. सीहोर	..				
2. आषा	..				
3. इछावर	..				
4. नसरुल्लागंज	..				
5. बुधनी	..				

1	2	3	4	5	6
*जिला रायसेन :	मिलीमीटर	2. ..	3. .. 4. (1) .. (2) ..	5. .. 6. ..	7. .. 8. ..
1. रायसेन	..				
2. गैरतगंज	..				
3. बेगमगंज	..				
4. गोहरगंज	..				
5. बेरेली	..				
6. सिलवानी	..				
7. उदयपुरा	..				
जिला बैतूल :	मिलीमीटर	2. जुताई का कार्य चालू है.	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) गेहूँ, मसूर, चना अधिक. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. भैसदेही	..				
2. शाहपुर	..				
3. बैतूल	..				
4. मुलताई	..				
5. आमला	..				
जिला होशंगाबाद :	मिलीमीटर	2. ..	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) चना, मटर, मसूर, मूँगमोठ अधिक. गेहूँ कम. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. सिवनी-मालवा	..				
2. होशंगाबाद	..				
3. बाबई	..				
4. इटारसी	..				
5. सोहागपुर	..				
6. पिपरिया	..				
7. वनखेड़ी	..				
8. पचमढ़ी	..				
*जिला हरदा :	मिलीमीटर	2. ..	3. .. 4. (1) .. (2) ..	5. .. 6. ..	7. .. 8. ..
1. हरदा	..				
2. खिड़किया	..				
3. टिमरनी	..				
जिला जबलपुर :	मिलीमीटर	2. कटाई का कार्य चालू है.	3. .. 4. (1) गेहूँ, चना, अलसी, राई-सरसों समान. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. सीहोरा	..				
2. पाटन	..				
3. जबलपुर	1.9				
4. मझौली	..				
5. कुण्डम	..				
जिला कटनी :	मिलीमीटर	2. ..	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) .. (2) ..	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. कटनी	..				
2. रीठी	..				
3. विजयराधवगढ़	..				
4. बहोरीबंद	..				
5. ढीमरखेड़ा	..				
6. बरही	..				

1	2	3	4	5	6
जिला नरसिंहपुर :	मिलीमीटर	2. ..	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) धान, ज्वार, मक्का, तुअर, उड्ड, मूँग, सोयाबीन, गेहूँ, मसूर, चना मटर. (2) ..	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. गाडवारा 2. करेली 3. नरसिंहपुर 4. गोटेगांव 5. तेन्दुखेड़ा				
जिला मण्डला :	मिलीमीटर	2. ..	3. .. 4. (1) गेहूं, चना, राई-सरसों, मटर, मसूर, अलसी सुधरी हुई. (2) उपरोक्त फसलें सुधरी हुई.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. निवास 2. बिछिया 3. नैनपुर 4. मण्डला 5. घुघरी 6. नारायणगंज				
जिला डिण्डोरी :	मिलीमीटर	2. ..	3. .. 4. (1) तुअर, राई-सरसों, गेहूँ, चना, मसूर, अलसी, मटर समान. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. .. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. डिण्डोरी 2. शाहपुरा				
जिला छिन्दवाड़ा :	मिलीमीटर	2. ..	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) .. (2) ..	5. अपर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. छिन्दवाड़ा 2. जुन्नारदेव 3. परासिया 4. जामई (तामिया) 5. सोंसर 6. पांदुर्णा 7. अमरवाड़ा 8. चौरई 9. बिछुआ 10. मोहखेड़ा 11. हरई				
जिला सिवनी :	मिलीमीटर	2. जुताई का कार्य चालू है.	3. .. 4. (1) मक्का अधिक धान, मूँग, उड्ड, मूँगफली कम. (2) ..	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. सिवनी 2. केवलारी 3. लखनादैन 4. बरघाट 5. कुरई 6. घसौर 7. धनोरा 8. छपारा				
जिला बालाघाट :	मिलीमीटर	2. ..	3. .. 4. (1) .. (2) ..	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. बालाघाट 2. लाँजी 3. बैहर 4. वारासिवनी 5. करंगी 6. किरनापुर				

टोप.— *जिला भिण्ड, अशोकनगर, सतना, बड़वानी, रायसेन, हरदा से पत्रक अप्राप्त रहे हैं।